▪ RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 98 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 02-11-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

मुख्यमंत्री
जन आवास योजना

RERA REG. NO.: RAJ/P/2025/4228
https://rera.rajasthan.gov.in/

जयपुर में आवासीय फ्लैट्स

हेतु लॉटरी द्वारा आवंटन

वाटिका इन्फोटेक सिटी,
अजमेर रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री जन आवास योजना-3A

के तहत जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित एवं रेरा में पंजीकृत
नितल इंफ्रा प्रोजेक्ट्स एलएलपी द्वारा विकसित आवासीय योजना

90% तक लोन उपलब्ध

विश्वस्तरीय क्लब हाउस व स्विमिंग पूल

केन्द्रीय व राज्य कर्मचारियों, कॉर्पोरेट्स एवं प्रवासी राजस्थानवासियों के लिए
1 लाख रुपये तक की विशेष छूट।

नितल

स्टूडियो और 3 बीएचके अपार्टमेंट

आवेदन की अंतिम तिथि
04 नवम्बर, 2025

उपलब्ध फ्लैट	पंजीकरण राशि	मूल कीमत
स्टूडियो फ्लैट	₹66,000	₹18.0 लाख*
3 BHK फ्लैट	₹96,000	₹43.0 लाख*

आवेदन हेतु SCAN करें
www.cmjanawaas.com

86 87 88 22 22

विकासकर्त्ता -
नितल इंफ्राप्रॉजेक्ट्स एलएलपी

*Terms & Conditions Apply

सहज स्मृति योग

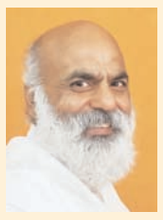

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, मैं रोज़ घंटों सोशल मीडिया पर रहता हूँ मेरा यही शौक है ग्रोक, चैट जीपीटी, परप्लेक्सिटी, आर्काइव्स आदि वेबसाइट्स से सूचनाएँ आती देखता हूँ तो यही देखने सुनने को मिल रहा है कि सनातन धर्म ख़तरे में है। आप बताइए क्या सचमुच सनातन धर्म ख़तरे में है ?

उत्तर: नहीं, सनातन को न कोई भय है और ना ही इस पर कोई संकट मंडरा रहा है। बल्कि, सनातन धर्म ही केवल एक ऐसा भाव है जिसको जानने वाले इसमें लयलीन होते हैं और इसे नहीं जानने वाले इससे भयभीत होते हैं । इसलिए वे ही संकट और भय में जीते हैं जो स्वयं के सनातन स्वरूप को नहीं जानते। ख़तरा या संकट यदि किसी पर मंडरा रहा है तो वह प्रकृति और पर्यावरण को संरक्षित और सुरक्षित रखने वाली जीवन शैली, कला-संस्कृति तथा सभ्यतागत मानवीय मूल्यों को पोषने वाली विचार धाराओं पर मंडरा रहा है। यह संकट वैश्विक है जिसको सनातनी दृष्टि को जीवन व्यवहार में उतार लेने से टाला जा सकता है। न तो सनातन को कोई संकट है न सनातन किसी के लिए संकट है सनातन तो दृष्टिगत संकटों अर्थात् किसी भी प्रकार की मानवीय व्यवहारगत विवेकहीनता का सनातन समाधान है। समाधान और समस्या के इस क्रम-चक्र के यथार्थ दर्शन की सभ्य सांस्कृतिक व्यवहार के माध्यम से की जाने वाली प्राण प्रतिष्ठा ही वैश्विक समरसता की वाहक बन सकती है।

दूसरों की मदद करने वाला भगवान के करीब होता है : संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि चंचल आदमी में पांच गुण होने चाहिए। मन बड़ा रखो, दिमाग ठंडा रखो, दिल बड़ा रखो, शांति रखो। जिसमें ये खूबियां होती हैं वे सच्चे इंसान होते हैं।सामने कोई भी हो, सबके प्रति मन बड़ा ही रखना चाहिए। कभी भी गुस्सा आए तो भी दिमाग ठंडा ही रखना चाहिए। मन में कषाय होगा तो जीवन नर्क में चला जाएगा। वर्तमान में लोगों का दिमाग शांत नहीं रहता है। लोग बात बात पर गुस्सा हो जाते हैं। ऐसा करने से सारा मामला उल्टा हो जाता है। एक जमाना था जब जीवन बहुत ही सहज था लेकिन वर्तमान का जीवन पहले जैसा बिल्कुल नहीं है। अब लोगों में सब्र नहीं है। लोग गलत कार्यों से अपना जीवन चला रहे हैं। किसी के प्रति दिल को बड़ा ही रखना चाहिए। कोई गलती करे तो दिल बड़ा रख कर उसको माफ कर देना चाहिए। ऐसा करने से मनुष्य अच्छा इंसान बन सकता है। अगर आपके पास है तो दिल बड़ा रख कर लोगों की मदद करनी चाहिए। लोगों की मदद करेंगे तो भगवान आपकी मदद करेंगे।

मुनिश्री ने कहा कि समझदार मनुष्य किसी का बुरा नहीं करता है। समझदार मनुष्य बन कर जीवन को सुंदर बना लेना चाहिए। लोगों के प्रति दया भाव रखना चाहिए। दया करना मनुष्य का मूल अस्तित्व होता है। दूसरों की सेवा और मदद करने बालों की रक्षा स्वयं भगवान करते है, इसलिए जीवन मिला है तो लोगों की सेवा करते रहो। एक दूसरे के प्रति प्रेम भाव रखना चाहिए। ऐसा करने से मनुष्य अपने बिगड़े भवों को सुधार सकता है। हर किसी को एक समान समझना चाहिए। ऐसा समझने पर मानव भव का कल्याण निश्चित है। नरम और गरम से ही जीवन चलता हैं। अगर कोई गरम है तो उसके सामने नरम हो जाना ही बुद्धिमानी है। ऐसा करके मनुष्य अपने बिगड़ते रिश्ते को बचा सकता है। कार्याध्यक्ष कांतिलाल तातेड़ ने स्वागत किया। संचालन महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने किया।

रक्तदान शिविर — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मानव सेवा कार्यों में अग्रणी संस्था कर्नाटक मारवाड़ी यूथ फेडरेशन एवं संकल्प इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में कन्नड़ राज्योत्सव के अवसर पर ग्रीन अर्थ मल्हार रेजिडेन्स परिसर में निःशुल्क रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस रक्तदान शिविर में 141 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस अवसर पर संकल्प इंडिया फाउण्डेशन के वेंकटेश, विद्या, लक्ष्मी एवं केएमवाईएफ के संयोजक राहुल मेहता उपस्थित थे ।

उमर अब्दुल्ला ने सवाल किया

कश्मीर में सवाल क्यों नहीं पूछते राजनेता

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को एक कार्यक्रम में कहा, कश्मीर में हमें (राजनेताओं को) लोगों से सवाल पूछने की आदत नहीं है और लोगों को भी जवाब देने की आदत नहीं है। अब्दुल्ला ने यहां नेहरू पार्क से क्राल सांगरी तक बुलेवार्ड रोड के चौड़ीकरण कार्य की आधारशिला रखने के बाद कहा कि कश्मीर में राजनेताओं ने सार्वजनिक बैठकों में लोगों से सवाल पूछना बंद कर दिया है। अब्दुल्ला ने मज़ाकिया लहजे में कहा, आपने उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी और मेरे भाषणों में बड़ा फर्क जरूर महसूस किया होगा। उन्होंने जम्मू में राजनीति की है, जहां किसी सीधे सवाल का सीधा जवाब मिल जाता है लेकिन यहां कश्मीर में हम लोगों से सवाल ही नहीं पूछते, पिछले 35 वर्षों में यह आदत ही छूट गई है। अब्दुल्ला ने 2019 से पहले घाटी में लगाए जाने वाले अलगाववादी नारों का संदर्भ देते हुए कहा, अगर आप सड़कों पर भाषण दे रहे हों और लोगों से पूछें कि उन्हें क्या चाहिए, तो जम्मू में आपको जवाब मिलेगा'सड़कें' लेकिन अगर यही सवाल आप घाटी में पूछें, तो यह तय नहीं होता कि क्या जवाब मिलेगा।

जयनगर जैन संघ में चातुर्मास के आखिरी चरण में कृतज्ञता दिवस आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन ट्रस्ट जयनगर संघ के तत्वावधान में चातुर्मासिक कल्प के अंतिम चरण में संघ द्वारा कृतज्ञता दिवस का आयोजन पार्श्व भंडारी भवन जयनगर में साध्वी कंचनकंवरजी के सान्निध्य में संपन्न हुआ। संघ के अध्यक्ष दीपचंद भंसाली ने सभी का स्वागत किया और चातुर्मास काल की आयोजन में सभी सहयोगियों के प्रति आभार जताया। संघ के मार्गदर्शक सुरेश गुलेच्छा ने बताया कि विहार कल्प के विधान की परंपरा को बताया। संघ के मंत्री पदमचंद बोहरा ने पूरे चातुर्मास काल की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। महिला मंडल की अध्यक्षा मनीषा खींचा एवं युवक मंडल के मंत्री गिरीश बोहरा ने अपने भाव व्यक्त किए। महिला मंडल की मंत्री उषा भंसाली ने विदाई गीत की प्रस्तुति दी। साध्वीश्री कंचनकंवरजी, दिव्ययशाजी और अणिमाश्रीजी ने इस चातुर्मास काल को ऐतिहासिक एवं आनंदमय बताया। सभा में बाबूलाल रांका, रतन सिंघवी, संजय लुंकड़ आदि उपस्थित थे। महासती के मंगल पाठ के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

गौ सेवा — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मारवाड़ी सम्मेलन महिला परिधि की अध्यक्षा माया अग्रवाल के नेतृत्व में गोपाष्टमी उत्सव के दिन कोरमंगला गौशाला में गौसेवा व गौपूजा की। इस अवसर पर दो गायों के एक वर्ष के चारे का दान गौशाला को दिया गया। सभी सदस्याओं ने फल और चारा खिलाकर गौ सेवा की तथा गौशाला के 65 कर्मचारियों को भोजन कराया। इस गौसेवा कार्य के मौके पर मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष सीताराम अग्रवाल और वरिष्ठ सदस्य गजेंद्र अग्रवाल, सुरेश जालान सहित परिधि की सलाहकार मंजू अग्रवाल, सहउपाध्यक्षा निर्मला गोयल, सहसचिव पल्लवी पोदार सहित अन्य 45 सदस्याएं उपस्थित थीं।

स्नेह मिलन आज — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्थानीय मरुधरा जैन संघ के रविवार को भिक्षु धाम में होने जा रहे स्नेह मिलन की तैयारियों क़ो लेकर शनिवार को एक बैठक हुई जिसमें अध्यक्ष जवरीलाल लुनावत, उपाध्यक्ष कांतिलाल गुलेच्छा, अमृतलाल सालेचा, पूर्व अध्यक्ष डूंगरमल पारख, पूर्व कोषाध्यक्ष केवलचंद सालेचा, पूर्व सलाहकार भंवरलाल भंडारी, पदमचंद भूरट, केवलचंद मोदी सहित अन्य सदस्यों ने अनेक व्यवस्थाओं का पुनर्जायजा लिया और समीक्षा की। लुणावत ने बताया कि स्नेह मिलन की सारी तैयारियां पूरी करली गई हैं।

संयम, साधना और दृढ़ संकल्प की धनी थीं साध्वी डॉ दर्शनप्रभा : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बिन्नी मिल रोड स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी, शालिभद्रमुनिजी, साध्वी सत्यप्रभाजी, सुप्रभाजी, डॉ मेघाश्रीजी के सान्निध्य में शनिवार को श्रमण संघीय उपप्रवर्तिनी साध्वी डॉ दर्शनप्रभाजी की जयंती तप त्यागपूर्वक आराधना केन्द्र में मनाई गई। इस अवसर पर नरेश मुनिजी ने डॉ दर्शनप्रभाजी के बहुआयामी व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके व्यक्तित्व में पर्वत सी ऊंचाई एवं सागर सी गहराई थी। जिन्होंने स्वयं की चिन्ता नहीं करके हमेशा अपने संपूर्ण जीवन में दूसरों को साता, सुख पहुंचाने का कार्य किया। जिन्होंने शिव के समान स्वयं गरल पीकर भी दूसरों को अमृत का पान कराया। समाज कल्याण की प्रेरणा देने वाली, दीन असहायों की सहायक, स्पष्ट वक्ता

एवं हमेशा जन कल्याण के कार्यों में भक्तों को प्रेरित करते हुए जैन धर्म, श्रमण संघ अमर ध्वजा को देश के कोने कोने में फहराया। दर्शनप्रभाजी में अदम्य साहस, उत्साह लगन और सबके साथ सूझ बूझ भरी दूरगामी दृष्टि के ऐसे सद्गुण थे जो जीवन के हर कदम पर उनके साथ थे। उन्होंने अपने जीवन में करीबन पच्चीस से ज्यादा मुमुक्षुओं को तैयार करके उन्हें संयम मार्ग में अग्रसर करते हुए प्रभु महावीर के जिनशासन की सेवा में समर्पित कर सबके जीवन के संयम साधना द्वारा उनके जीवन के कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया।

प्रारंभ में शालिभद्रमुनिजी ने साध्वी डॉ दर्शनप्रभाजी के उन पर किए असीम उपकारों को याद करते हुए कहा कि आज मैं जो कुछ भी हूं यह सब महासती दर्शनप्रभाजी के आशीर्वाद व कृपा से हूँ। हर समय अपनी संयम साधना में सजग जागरूक रहते हुए सबको आध्यात्म के शिखर पर पहुंचाने का काम किया। प्रारंभ में साध्वी तरुणशीलाजी, डॉ मेघा श्रीजी, समृद्धिश्रीजी ने उपप्रवर्तिनी डॉ दर्शनप्रभाजी के बहुआयामी संयमी जीवन के अनेक प्रेरक संस्मरण प्रस्तुत किए। समिति की ओर से अध्यक्ष नेमीचन्द सालेचा, महामंत्री महावीरचंद मेहता सहित अनेक श्रद्धालुओं ने भी श्रद्धा सुमन अर्पित किए। शनिवार को छाजेड़ परिवार की गौत्र सामूहिक सामायिक आराधना साधना का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। दोपहर में श्री दर्शनप्रभाजी के जन्मोत्सव प्रसंग पर पुष्कर दर्शन ट्राफी प्रश्न मंच प्रतियोगिता आयोजित की गई। युवक मंडल, महिला मंडल, युवती मंडल एवं बालिका मंडल ने व्यवस्था संभाली। कार्यक्रम का संचालन शालिभद्र मुनिजी ने किया। इस मौके पर मुमुक्षु डॉ कोमल छाजेड़ का सम्मान किया गया।

तेलंगाना में रात का खाना खाने के बाद 50 से अधिक छात्र अस्पताल में भर्ती

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के जोगुलांबा गड़वाल जिले में एक राज्य संचालित बालक कल्याण छात्रावास के 52 छात्रों को शुक्रवार को रात के खाने के बाद उल्टी और पेट दर्द की शिकायत बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि छात्रावास के छात्रों को एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उपचार के बाद चिकित्सकों ने कहा है कि उनकी हालत चिकित्सकीय रूप से स्थिर है। एक जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि 32 छात्रों को छुट्टी दे दी गई है और शेष भी सुरक्षित हैं तथा उन्हें निगरानी में रखा गया है। अधिकारी ने कहा, हम छात्रावास में एक शिविर भी चला रहे हैं। प्रभावित छात्रों ने बताया कि शुक्रवार रात को उन्हें खाने में सांभर, चावल, पत्तागोभी की सब्जी आदि खाद्य पदार्थ परोसे गए और बाद में उन्हें पेट दर्द और उल्टी होने लगी।

कन्नड़ राज्योत्सव — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के कर्नाटक होजरी एवं गारमेंट्स एसोशिएशन (खागा) ने मामुलपेट, स्थित सरकारी स्कूल के सामने कन्नड़ राज्योत्सव मनाया। खागा के अध्यक्ष प्रकाश भोजानी ने सभी का स्वागत करते हुए आपसी बातचीत में कन्नड़ भाषा का अधिक से अधिक उपयोग करने का आग्रह किया। कन्नड़ नाड़ गीत के साथ ध्वजारोहण करने के बाद अन्नदान किया गया। इस आयोजन में सचिव कैलाश बालर, उपाध्यक्ष पीएच राजपुरोहित, सचिव कैलाश बालर, संयुक्त सचिव बिशनसिंह विराणा, जोगसिह पुरोहित, विकास जैन, कोषाध्यक्ष जोगेश जैन, पूर्व अध्यक्ष सज्जनराज मेहता, नेमीचंद जैन आदि उपस्थित थे।

आपसी सहयोग से शतरंज को बढ़ावा देंगे केआईआईटी, फिडे और एआईसीएफ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर। शहर के केआईआईटी-डीयू ने फेडरेशन ऑफ इंटरनेशनल फिडे इचेस(फीडे) और ऑल इंडिया चेस फेडरेशन(एआईसीएफ)के साथ गोवा में एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर हुआ जिसके तहत जनवरी 2026 में इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन सोशल एंड एजुकेशनल चेस का आयोजन किया जाएगा। यह समझौता चैस शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए हुआ है। यह वैश्विक खेल संस्थाओं के इन संस्थानों पर दृढ़ विश्वास और शिक्षा के माध्यम से खेल को सशक्त बनाने की उनकी सोच को दर्शाता है। कीट और कीस ने हमेशा से खेलकूद के प्रति, खेल भावना, अनुशासन और उत्कृष्टता को शिक्षा के साथ जोड़कर हमेशा बढ़ावा देते आ रहा है। वर्षों से केआईआईटी ने कई अंतरराष्ट्रीय खेल संगठनों जैसे एफआईवीबी (वॉलीबॉल), फीफा (फुटबॉल) और कई राष्ट्रीय महासंघों के साथ साझेदारी की है ताकि खेल शिक्षा और प्रशिक्षण में वैश्विक मानकों को स्थापित किया जा सके। कीट और कीस के संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत ने कहा कि हमें फिडे के अध्यक्ष अर्काडी द्वोरकोविच, ग्रैंडमास्टर विश्वनाथन आनंद, एआईसीईएफ के अध्यक्ष नितिन नारंग आदि ने साथ जुड़ कर गर्व हो रहा है । उन्होंने फिडे और एआईसीईएफ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह साझेदारी शतरंज को शिक्षा, समावेशी और सशक्तिकरण के एक प्रभावी माध्यम के रूप में बढ़ावा देगी और भारत को वैश्विक शतरंज आंदोलन में अग्रणी बनाएगी।

विदर्भ में पांच वर्षों में पांच लाख रोजगार सृजित करने का लक्ष्य : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को एक स्थानीय उद्योग निकाय के सामने महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में अगले पांच वर्षों में पांच लाख रोजगार सृजित करने का लक्ष्य रखा। उन्होंने कहा कि यह लक्ष्य चुनौतीपूर्ण है, लेकिन इसे हासिल किया जा सकता है। गडकरी 'नागपुर स्किल सेंटर' के शुभारंभ पर एक सभा को संबोधित कर रहे थे। यह केंद्र नागपुर नगर निगम, टाटा ट्रस्ट की कौशल विकास पहल – 'टाटा स्ट्राइव' और विदर्भ ग्लोबल फाउंडेशन के सहयोग से औद्योगिक विकास संघ (एआईडी) की एक पहल है।

एआईडी के संरक्षक गडकरी ने कहा, ''हमने अगले पांच वर्षों में पांच लाख रोज़गार सृजित करने का लक्ष्य रखा है। विदर्भ के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से पांच हजार युवाओं को नागपुर स्किल सेंटर में कौशल प्रशिक्षण मिलेगा। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा, ''कौशल प्रशिक्षण और पांच वर्षों में पांच लाख नौकरियां सृजित करने का लक्ष्य बहुत बड़ा है, फिर भी इसे प्राप्त किया जा सकता है।'' गडकरी ने कहा कि विनिर्माण और औद्योगिक क्षेत्रों के अलावा पर्यटन, आतिथ्य, खनन, हथकरघा, हस्तशिल्प और कृषि में युवाओं को बड़ी संख्या में रोजगार देने की क्षमता है।

आय से अधिक संपत्ति मामला

अकाली दल नेता बिक्रम मजीठिया के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने राज्य सतर्कता ब्यूरो द्वारा दर्ज आय से अधिक संपत्ति के मामले में पूर्व मंत्री एवं शिरोमणि अकाली दल के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है। पंजाब मंत्रिमंडल ने आठ सितंबर को शिरोमणि अकाली दल (शिअद) नेता के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अभियोजन की मंजूरी दे दी थी। शिरोमणि अकाली दल के नेता वर्तमान में पटियाला की नई नाभा जेल में बंद हैं। राज्य के महाधिवक्ता ने पहले कहा था कि पूर्व मंत्री के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी देने के लिए मंत्रिपरिषद द्वारा चर्चा की जानी आवश्यक है और उसके बाद मामला औपचारिक आदेश पारित करने के लिए राज्यपाल के पास भेजा जाएगा। सूत्रों ने शनिवार को बताया कि पंजाब मंत्रिमंडल की सिफारिश के बाद भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 19 के तहत मजीठिया पर मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी गई है।

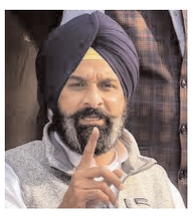

सतर्कता ब्यूरो ने 25 जून को मजीठिया को आय से अधिक संपत्ति (डीए) मामले में गिरफ्तार किया था, जिसमें कथित तौर पर 540 करोड़ रुपये के ड्रग मनी का शोधन शामिल था। सतर्कता ब्यूरो ने 22 अगस्त को डीए मामले में मोहाली की एक अदालत में 40,000 से अधिक पृष्ठों का आरोपपत्र दायर किया। मजीठिया के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी में ब्यूरो ने दावा किया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि मजीठिया द्वारा कथित तौर पर सहायता प्रदान किए गए कई चैनलों के माध्यम से 540 करोड़ रुपये से अधिक की ड्रग मनी का शोधन किया गया था। यह प्राथमिकी पंजाब पुलिस के एक विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा 2021 के एक नशे के मामले की चल रही जांच से निकली है। मजीठिया पर 2021 में मादक द्रव्य-विरोधी एसआईटी की 2018 की रिपोर्ट के आधार पर स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। मजीठिया ने पटियाला जेल में पांच महीने से अधिक समय बिताया और अगस्त 2022 में पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा उन्हें जमानत दिए जाने के बाद जेल से बाहर आ गए।

RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 98 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 02-11-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 कन्नड़ की उपेक्षा कर रही है केंद्र सरकार, थोप रही हिंदी : सिद्दरामय्या

6 एसपीओ अब्दुल की सूझबूझ को सलाम, घर में बैठे आतंकवादियों का करवाया खात्मा

7 रोहन बोपन्ना ने पेशेवर टेनिस को अलविदा कहा

फर्स्ट टेक

बेंगलूरु के पास संदिग्ध रेव पार्टी पर पुलिस का छापा, 100 से अधिक हिरासत में

बेंगलूरु/भाषा। शहर के बाहरी इलाके में स्थित एक फार्महाउस पर छापा मारकर 100 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया, जहां संदिग्ध रूप से रेव पार्टी हो रही थी। पुलिस ने यह जानकारी शनिवार को दी। गुप्त सूचना के आधार पर बेंगलूरु दक्षिण जिले के पुलिस अधीक्षक आर श्रीनिवास गौड़ा के नेतृत्व में कग्गलीपुरा थाने की एक टीम ने देवीगेरे क्रॉस के पास उस परिसर पर छापा मारा, जहां पार्टी हो रही थी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कम से कम 102 लोगों को मेडिकल जांच के लिए हिरासत में लिया गया ताकि यह पता लगाया जा सके कि वे किसी मादक पदार्थ के प्रभाव में तो नहीं थे। उन्होंने कहा कि मेडिकल परीक्षण के बाद उन्हें रिहा कर दिया गया तथा परीक्षण के परिणाम आने के बाद उन्हें जांच में शामिल होने के लिए नोटिस जारी किया जाएगा।

सेना ने रेगिस्तानी क्षेत्र में किया ड्रोन एवं ड्रोन प्रतिरोध का अभ्यास

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय सेना ने ड्रोन और ड्रोन-प्रतिरोध का अभ्यास किया है, जो उनके संचालन के लिए सैद्धांतिक मूलाधारों के विकास और परीक्षण पर केंद्रित है। इससे उभरते हवाई खतरों के खिलाफ बल की प्रतिक्रिया क्षमता मजबूत होगी। 'वायु समन्वय-द्वितीय' नामक यह अभ्यास 28-29 अक्टूबर को दक्षिणी कमान के तहत रेगिस्तानी क्षेत्र के अग्रिम इलाकों में आयोजित किया गया। इस कमान का मुख्यालय पुणे है। रक्षा मंत्रालय ने कहा, ''यह अभ्यास यथार्थवादी, इलेक्ट्रोनिक युद्ध और प्रतिस्पर्धी परिचालन वातावरण में विभिन्न हवाई और जमीनी संसाधनों को एकीकृत करके तथा बहु-डोमेन कमान और नियंत्रण केंद्रों के बीच समन्वय के साथ अगली पीढ़ी के युद्ध के लिए भारतीय सेना की तैयारी को परखने के लिए तैयार किया गया था।''

गाजा से हाल में सौंपे गए लोगों के अवशेष इजराइली बंधकों के नहीं : इजराइल

यरुशलम/एपी। हमास द्वारा इस सप्ताह रेड क्रॉस को सौंपे गए तीन लोगों के अवशेष इजराइली बंधकों के नहीं हैं। इजराइल ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह नवीनतम घटनाक्रम इजराइल-हमास के बीच युद्धविराम के लिए अमेरिका की मध्यस्थता वाले समझौते को कमजोर कर सकता है। इजराइल द्वारा 30 फलस्तीनियों के शव शुक्रवार को गाजा को लौटाने के बाद ये अवशेष रेड क्रॉस को सौंपे गए थे।

02-11-2025 सूर्यास्त 5:52 बजे | 03-11-2025 सूर्योदय 6:14 बजे

BSE	NSE
83,938.71	25,722.10
(-465.75)	(-155.75)

सोना	चांदी
12,603 रु.	150,894 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

मताभास

बिन वोटर मत के दल सत्ता,
गरुड़ पुराणें बांचेगी।
केवल जन्म पत्रिका कैसे,
गुण अवगुण को जांचेगी।
बिना हथेली बोलो भैया,
किस पर मेंहदी राचेगी।
ना तो नौ मन तेल होगा,
ना ही राधा नाचेगी।।

वह दिन दूर नहीं जब भारत का हर कोना नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि पिछले 11 सालों में देश में माओवाद से प्रभावित जिलों की संख्या 125 से घटकर तीन रह गई है और उन्होंने भरोसा दिलाया कि वह दिन दूर नहीं जब छत्तीसगढ़ और भारत का हर कोना इस खतरे से पूरी तरह मुक्त हो जाएगा। नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ राज्य के गठन की 25वीं वर्षगांठ के मौके पर 'छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव' को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा की सराहना की और कहा कि 25 साल पहले जो बीज बोया गया था, वह अब विकास के 'वट वृक्ष' में बदल गया है। उन्होंने कहा, 'मुझे इस बात की खुशी है कि आज हमारा छत्तीसगढ़ नक्सलवाद माओवादी आतंक की बेड़ियों से मुक्त हो रहा है। नक्सलवाद की वजह से 50-55 साल तक आपने जो झेला वह पीड़ा दायक है। आज जो लोग संविधान की किताब का दिखावा करते हैं, जो लोग सामाजिक न्याय के नाम पर घड़ियाली आंसू बहाते हैं उन्होंने अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए आपके साथ दशकों तक अन्याय किया है।' प्रधानमंत्री ने कहा, ''माओवादी आतंक के कारण लंबे समय तक छत्तीसगढ़ के आदिवासी इलाके सड़कों से वंचित रहे, बच्चों को स्कूल नहीं मिले, बीमारों को अस्पताल नहीं मिले और जो वहां थे बम से उसे उड़ा दिया जाता था। डॉक्टर को, शिक्षकों को मार दिया जाता था तथा दशकों तक देश पर शासन करने वाले लोग जनता को अपने हाल पर छोड़कर एयर कंडीशन कमरों में बैठकर अपने जीवन का आनंद लेते रहे।''

प्रधानमंत्री ने कहा, ''मोदी अपने आदिवासी भाई-बहनों को हिंसा के इस खेल में बर्बाद होने के लिए नहीं छोड़ सकता था। मैं लाखों माता बहनों को अपने बच्चों के लिए रोते हुए नहीं छोड़ सकता था। 2014 में आपने हमें अवसर दिया। हमने भारत को माओवादी आतंक से मुक्ति दिलाने का संकल्प लिया और आज इसके नतीजे देश देख रहा है।'' मोदी ने कहा, ''11 साल पहले देश के 125 जिले माओवादी आतंक की चपेट में थे। अब 125 जिलों में से सिर्फ तीन जिले बचे हैं। मैं देशवासियों को गारंटी देता हूं वह दिन दूर नहीं जब हमारा छत्तीसगढ़, हमारा हिंदुस्तान, हिंदुस्तान का हर कोना माओवादी आतंक से पूरी तरह मुक्त हो जाएगा।''

उन्होंने कहा, ''छत्तीसगढ़ के जो साथी हिंसा के रास्ते पर निकल पड़े थे वह तेजी से हथियार डाल रहे हैं। कुछ दिन पहले कांकेर में 20 से अधिक नक्सली मुख्यधारा में लौट आए। इससे पहले 17 अक्टूबर को बस्तर में 200 से अधिक नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था। बीते कुछ महीनों में ही देश भर में माओवादी आतंक से जुड़े दर्जनों लोगों ने हथियार डाल दिए। इनमें से बहुतों पर लाखों रुपए का इनाम हुआ करता था। अब इन्होंने बंदूक छोड़कर, देश के संविधान को स्वीकार कर लिया है।''

'मानव बम' की धमकी, इंडिगो के विमान को मुंबई में सुरक्षित उतारा गया

हैदराबाद/भाषा। राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय (आरजीआईए) हवाई अड्डे पर शनिवार को एक धमकी भरा ईमेल आया, जिसमें दावा किया गया कि जेद्दा से हैदराबाद जाने वाले इंडिगो के विमान में एक ''मानव बम'' है। इसके बाद विमान का मार्ग बदलकर मुंबई की ओर कर दिया गया, जहां इसे सुरक्षित उतार लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए कहा कि उन्हें सुबह करीब 5:30 बजे धमकी भरा ईमेल मिला, जिसमें उन्हें हैदराबाद में इंडिगो के विमान को ''न उतारने'' की चेतावनी दी गई। पुलिस ने कहा कि ईमेल में कहा गया, ''विमान में सवार लिट्टे-आईएसआई के लोगों ने 1984 के मद्रास हवाई अड्डे जैसे एक बड़े विस्फोट की योजना बनाई है।'' इसने बताया कि सभी हितधारकों को सतर्क कर दिया गया और विमान का मार्ग मुंबई हवाई अड्डे की ओर कर दिया गया, जहां इसे सुरक्षित उतार लिया गया। पुलिस ने कहा कि ''सभी (सुरक्षा) जांच की गई और कोई समस्या नहीं पाई गई।'' पुलिस ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

इसरो 'एलवीएम3-एम5' के जरिए

भारत से सबसे भारी संचार उपग्रह के प्रक्षेपण के लिए पूरी तरह तैयार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीहरिकोटा/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का 4,000 किलोग्राम से अधिक वजनी संचार उपग्रह सीएमएस-03 रविवार को इस अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किए जाने के लिए पूरी तरह तैयार है। अंतरिक्ष एजेंसी ने बताया कि लगभग 4,410 किलोग्राम वजन वाला यह उपग्रह भारत की धरती से भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा (जीटीओ) में प्रक्षेपित किया जाने वाला सबसे भारी उपग्रह होगा। यह उपग्रह एलवीएम3-एम5 रॉकेट के जरिये प्रक्षेपित किया जाएगा, जिसे इसकी भारी भारोत्तोलन क्षमता के लिए 'बाहुबली' नाम दिया गया है।

बेंगलूरु स्थित अंतरिक्ष एजेंसी ने शनिवार को बताया कि प्रक्षेपण यान को पूरी तरह से तैयार कर लिया गया है और अंतरिक्ष यान के साथ एकीकृत कर दिया गया है तथा इसे प्रक्षेपण-पूर्व कार्यों के लिए यहां दूसरे प्रक्षेपण स्थल पर ले जाया गया है। इसरो ने बताया कि 4,000 किलोग्राम तक भारी पेलोड ले जाने की क्षमता के कारण 'बाहुबली' नाम से जाना जाने वाला 43.5 मीटर लंबा यह यान दो नवंबर यानी रविवार को शाम पांच बजकर 26 मिनट पर प्रक्षेपित होगा। उसने बताया कि एलवीएम3 (प्रक्षेपण यान मार्क-3) इसरो का भारी वजन वहन करने वाला नया प्रक्षेपण यान है और इसका उपयोग 4,000 किलोग्राम के अंतरिक्ष यान को लागत प्रभावी तरीके से जीटीओ में स्थापित करने के लिए किया जाएगा।

दो ठोस मोटर 'स्ट्रैप-ऑन' (एस200), एक द्रव प्रणोदक कोर चरण (एल110) और एक क्रायोजेनिक चरण (सी25) वाला यह तीन चरणीय प्रक्षेपण यान इसरो को जीटीओ में 4,000 किलोग्राम तक वजन वाले भारी संचार उपग्रहों को प्रक्षेपित करने में पूर्ण आत्मनिर्भरता प्रदान करता है।

आंध्र प्रदेश में काशीबुग्गा मंदिर में भगदड़ मचने से नौ लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हादसा सीढ़ियों के पास लगी लोहे की ग्रिल के गिरने से हुआ, जिसके बाद लोग डर गए और उन्हें लगा कि कुछ गिर रहा है।

काशीबुग्गा/भाषा। श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा में एक मंदिर में शनिवार को भगदड़ मचने से आठ महिलाओं और एक लड़के समेत कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इससे पहले श्रीकाकुलम जिला कलेक्टर ने मृतकों की संख्या 10 बताई थी। श्रीकाकुलम के पुलिस अधीक्षक केवी महेश्वर रेड्डी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, नौ लोगों की मौत हुई है। एक व्यक्ति की हालत गंभीर है...उसकी मौत नहीं हुई है। 12 साल के एक लड़के की मौत हुई है। बाकी सभी मृतक महिलाएं हैं। यह एक निजी मंदिर है। यह कोई सरकारी मंदिर नहीं है। इसका निर्माण हाल ही में हुआ है।

काशीबुग्गा उपमंडल प्रभारी डीएसपी लक्ष्मण राव ने बताया कि भगदड़ पूर्वाह्न करीब 11:30 बजे काशीबुग्गा शहर के वेंकटेश्वर मंदिर में हुई। रेड्डी ने कहा कि हादसा सीढ़ियों के पास लगी लोहे की ग्रिल के गिरने से हुआ, जिसके बाद लोग डर गए और उन्हें लगा कि कुछ गिर रहा है। उन्होंने कहा, घबराहट के कारण वे लगभग छह फुट की ऊंचाई से गिर गए। भगदड़ जैसी कोई घटना नहीं हुई। चूंकि यह छह फुट की ऊंचाई से गिरा था, इसलिए एक व्यक्ति दूसरे पर गिर गया और इसी वजह से यह हादसा हुआ।

उन्होंने कहा, यह पूरी तरह से एक दुर्घटना है और मालिक की गलती के कारण ऐसा हुआ है। उन्होंने पुलिस बंदोबस्त के लिए आवेदन नहीं किया था, इसके लिए कोई अनुमति भी नहीं ली गई थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस घटना पर दुख जताया और मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रुपये और घायलों को 2,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। मोदी ने एक्स' पर लिखा, आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम में स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में भगदड़ मचने की घटना से दुखी हूं। अपने प्रियजन को खोने वाले लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

कर्नाटक राज्योत्सव

शनिवार को बेंगलूरु में विधान सौध के पास ऑटो चालकों ने कर्नाटक राज्योत्सव मनाया।

अक्टूबर में जीएसटी संग्रह बढ़कर 1.96 लाख करोड़ हुआ

नई दिल्ली/भाषा। जीएसटी दरों में कटौती के बावजूद त्योहारी खरीदारी के कारण अक्टूबर में सकल जीएसटी संग्रह 4.6 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.96 लाख करोड़ रुपये हो गया। हालांकि यह चालू वित्त वर्ष में अब तक की सबसे धीमी दर है। रसोई के सामान से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबाइल सहित 375 वस्तुओं पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की नई दरें 22 सितंबर से प्रभावी हुई थीं। यह नवरात्रि का पहला दिन था और यह समय नए सामान खरीदने के लिए शुभ माना जाता है। अक्टूबर के जीएसटी संग्रह के आंकड़े त्योहारी सत्र की बिक्री और दबी हुई मांग के प्रभाव को दर्शाते हैं।

बिहार चुनाव विकास बनाम जंगलराज' की लड़ाई : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जोड़ी है, जिन्होंने विकास का रास्ता दिखाया है।

पटना/गोपालगंज/समस्तीपुर/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव राज्य की जनता के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में विकास का रास्ता चुनने और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेतृत्व वाले विपक्ष के 'जंगलराज' को वापस लाने के बीच का चुनाव है। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ने यह बात गोपालगंज और समस्तीपुर जिलों में आयोजित रैलियों को वर्चुअल रूप से संबोधित करते हुए कही। खराब मौसम के कारण वह स्वयं इन स्थानों पर नहीं पहुंच सके।

राजद प्रमुख लालू प्रसाद के गृह जिले गोपालगंज का उल्लेख करते हुए शाह ने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के भाई और पूर्व विधायक साधू यादव के ''अत्याचारों'' का जिक्र किया और लोगों को चेताया कि अगर विपक्ष सत्ता में आया तो फिर से जंगलराज लौट आएगा। शाह ने कहा, ''यह चुनाव यह तय करने का

अवसर है कि बिहार का भविष्य किसे सौंपना चाहिए। एक ओर वे लोग हैं जिन्होंने राज्य में जंगलराज' लाया था और दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जोड़ी है, जिन्होंने विकास का रास्ता दिखाया है।'' उन्होंने कहा, ''गोपालगंज के लोगों ने 2002 से राजद को वोट नहीं दिया है। मुझे पूरा भरोसा है कि वे इस परंपरा को बनाए रखेंगे... गोपालगंज के लोगों से बेहतर कोई साधू यादव के कारनामों को नहीं जानता।'' साधू यादव, जो गोपालगंज से विधायक और सांसद दोनों रह चुके हैं, राबड़ी देवी के मुख्यमंत्री रहने के दौरान काफी प्रभावशाली माने जाते थे। शाह ने उन घटनाओं का भी उल्लेख किया जिनमें यादव का नाम सामने आया था, जैसे 1999 में राबड़ी देवी की बड़ी बेटी मीसा भारती की शादी के दौरान शो-रूम से कथित तौर पर जबरन कारें उठवा लेने का मामला, जिसका जिक्र प्रधानमंत्री मोदी ने भी हाल में एक रैली में किया था। 90 के दशक के शिल्पी गौतम हत्याकांड में भी यादव का नाम आया था। हाल में यह मामला तब सुर्खियों में आया जब जनसुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर ने उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी (जो उस वक्त राजद में थे) पर इस मामले में संलिप्तता का आरोप लगाया।

शाह ने अपने संबोधन में राजद शासनकाल के दौरान मध्य बिहार के उन गांवों का भी नाम लिया, जो नरसंहारों के लिए कुख्यात रहे थे, जब राज्य के कई जिले नक्सलियों और ऊंची जाति के जमींदारों की निजी सेनाओं'' के बीच खूनी संघर्ष की चपेट में थे।

'विभाजन की बढ़ती प्रवृत्ति' के बीच समाज को एकजुट रख सकने वाला सूत्र है वंदे मातरम : होसबाले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वंदे मातरम राष्ट्र की आत्मा का गीत है, जो अपने ''दिव्य प्रभाव'' के कारण 150 वर्षों के बाद भी संपूर्ण समाज को राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना से ओत-प्रोत करने का सामर्थ्य रखता है।

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने राष्ट्र गीत 'वंदे मातरम' की रचना की 150वीं वर्षगांठ पर इसके रचयिता बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय को शनिवार को याद किया और लोगों से इसकी भावना को आत्मसात करने का आह्वान किया, क्योंकि समाज में ''विभाजन की प्रवृत्ति बढ़ रही'' है। संघ सरकार्यवाह ने कहा कि वंदे मातरम राष्ट्र की आत्मा का गीत है, जो अपने ''दिव्य प्रभाव'' के कारण 150 वर्षों के बाद भी संपूर्ण समाज को राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना से ओत-प्रोत करने का सामर्थ्य रखता है। उन्होंने एक वक्तव्य में कहा, ''आज जब क्षेत्र, भाषा, जाति आदि संकीर्णता के आधार पर विभाजन की प्रवृत्ति बढ़ रही है, ऐसे में वंदे मातरम वह सूत्र है, जो समाज को एकता के सूत्र में बांधकर रख सकता है।'' होसबाले ने कहा कि राष्ट्र गीत को भारत के सभी क्षेत्रों और भाषाओं में सार्वभौम स्वीकृति मिली है। उन्होंने कहा, यह आज भी समाज की राष्ट्रीय चेतना, सांस्कृतिक पहचान और एकात्म भाव का सशक्त आधार है। उन्होंने कहा कि 1896 में रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा इसे गाये जाने के बाद से यह गीत देशभक्ति का मंत्र और राष्ट्र की आत्मा बन गया।

होसबाले ने कहा कि इस मंत्र की व्यापकता को इस बात से समझा जा सकता है कि देश के अनेक विद्वानों और महापुरुषों -- महर्षि अरविंद, मैडम भीकाजी कामा, महाकवि सुब्रमण्यम भारती, लाला हरदयाल, लाला लाजपत राय आदि ने अपने पत्र पत्रिकाओं के नाम में वंदे मातरम जोड़ा था।

हमेशा अपनी मिट्टी से जुड़ाव बनाये रखें : प्रधान न्यायाधीश

कौशांबी (उप्र)/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति बी. आर. गवई ने शनिवार को छात्र-छात्राओं को नसीहत देते हुए कहा कि इंसान चाहे कितनी भी बुलंदी पर पहुंच जाए मगर उसे अपनी मिट्टी से नाता नहीं तोड़ना चाहिये। न्यायमूर्ति गवई जिले के चायल तहसील स्थित माहेश्वरी प्रसाद इंटर कॉलेज के वार्षिकोत्सव समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके साथ

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण भंसाली भी थे। प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति गवई ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा, ''आप चाहे जितने बड़े बन जाएं लेकिन अपनी मिट्टी से नाता नहीं तोड़ना चाहिये। अपनी संस्कृति को नहीं भूलना चाहिये।'' उन्होंने छात्र-छात्राओं से कहा, ''आप लोग देश का भविष्य हैं। कल का भारत कैसा होगा यह आप पर निर्भर है।

'एक भारत श्रेष्ठ भारत' हमारी पहचान : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजभवन में शनिवार को 1 नवंबर को गठित होने वाले 8 राज्यों आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, पंजाब और तमिलनाडु तथा 5 केंद्र शासित प्रदेशों अंडमान और निकोबार द्वीप, चंडीगढ़, दिल्ली, लक्षद्वीप और पुडुचेरी का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर 31 अक्टूबर को गठित होने वाले केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू और कश्मीर और लद्दाख का स्थापना दिवस भी मनाया गया।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने इस अवसर इन राज्यों के राजस्थान में निवास करने वाले लोगों को बधाई और शुभकामना दी। उन्होंने राज्यों के इतिहास और संस्कृति की चर्चा करते हुए कहा कि राज्य स्थापना दिवस देश की सांस्कृतिक विविधता और परंपराओं का आलोक है। उन्होंने कहा कि विविधता में एकता से जुड़े हमारे राज्य एक भारत श्रेष्ठ भारत का साकार रूप है। राज्यपाल ने इस दौरान विभिन्न राज्यों के निवासियों से संवाद भी किया और कहा कि हरेक राज्य अपनी सांस्कृतिक और भौगोलिक विशेषता में भारत की निधि है। विभिन्न राज्यों के निवासियों ने राज्यपाल का आभार जताते हुए अभिनंदन किया। राज्यपाल ने भाषाई आधार पर राज्यों के गठन को महत्वपूर्ण बताते हुए राज्यों के निवासियों को राजस्थान के विकास में अपना योगदान देने का आह्वान किया।

इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी और प्रमुख विशेषाधिकारी राजकुमार सागर भी उपस्थित रहे।

जनसेवा ही जनप्रतिनिधि का परम धर्म : सुरेश सिंह रावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि जनता हमारे लोकतंत्र की वास्तविक मालिक है और जनसेवा जनप्रतिनिधियों का सर्वोच्च कर्तव्य है। रावत ने शनिवार को अजमेर सर्किट हाउस में आयोजित जनसुनवाई के दौरान आमजन की समस्याओं को सुनकर अधिकारियों को समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिये।

जनसुनवाई के दौरान मंत्री रावत के समक्ष आमजन ने विभिन्न विषयों जैसे सड़क, पेयजल, सिंचाई, स्वास्थ्य, राजस्व एवं सामाजिक योजनाओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। मंत्री रावत ने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल प्रशासनिक निस्तारण तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन और प्रसन्नता का संचार हो, यही हमारी सेवा का वास्तविक प्रतिफल है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि किसी भी समस्या के समाधान में अनावश्यक विलंब न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। प्रत्येक विभाग को जनभावनाओं के अनुरूप संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

'सहकार से समृद्धि' की संकल्पना को साकार कर रही राज्य सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान 'सहकार से समृद्धि' की संकल्पना को साकार करने में देश के अग्रणी राज्यों में शुमार है। राज्य में सहकारिता का नेटवर्क जमीनी स्तर तक मजबूत कर आमजन को अधिक से अधिक संख्या में लाभान्वित करने के निरन्तर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में अक्टूबर माह में आयोजित किया गया 'सहकार सदस्यता अभियान' राज्य में सहकार आंदोलन को नई ऊंचाइयां देने की दिशा में अहम कड़ी साबित हुआ है।

'सहकार सदस्यता अभियान' की अवधि पूर्व में 2 से 15 अक्टूबर तक निर्धारित की गई थी, जिसे आशाजनक परिणामों के फलस्वरूप बाद में 22 अक्टूबर तक बढ़ाया गया। अभियान के अंतर्गत लगभग 8,500 पैक्स के स्तर पर शिविरों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस दौरान प्रमुख रूप से 5 प्रकार की गतिविधियां आयोजित कर उनमें आशानुरूप परिणाम प्राप्त किये गए। युवाओं एवं महिलाओं को अधिक से अधिक संख्या में सहकारिता से जोड़ना अभियान के अंतर्गत सबसे प्रमुख गतिविधि थी। इस दिशा में बेहतरीन कार्य करते हुए अभियान की अवधि में सहकारी समितियों के 8.90 लाख से अधिक नए सदस्य बनाए गए। यह निर्धारित लक्ष्य 7.34 लाख की तुलना में लगभग 21.25 प्रतिशत अधिक है।

'सहकार सदस्यता अभियान' के अंतर्गत बड़ी संख्या में युवाओं एवं महिलाओं के सहकारी समितियों से जुड़ने से राज्य में जमीनी स्तर पर पर सहकारिता का नेटवर्क और अधिक मजबूत हुआ है, जिससे अधिक लोगों तक सुचारू रूप से जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित होगी। पैक्सविहीन ग्राम पंचायतों में नवीन पैक्स के गठन से जमीनी स्तर पर सहकारिता का व्यापक नेटवर्क होगा, जिसका किसानों व ग्रामीणों को प्रत्यक्ष रूप से लाभ मिलेगा। भूमिविहीन समितियों को भूमि आवंटन हो जाने से इन समितियों में गोदाम के निर्माण की राह प्रशस्त होगी, जिससे राज्य की भण्डारण क्षमता में आशातीत वृद्धि होगी। आधार सीडिंग और ई-केवाईसी का कार्य पूर्ण होने से किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि योजना सुचारू रूप से लाभ मिल पाएगा। जबकि, प्रस्तावित नवीन को-ऑपरेटिव कोड के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी आमजन के लिए उपयोगी साबित होगी। अभियान के बाद भी निरन्तर फॉलो अप करते हुए इन कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है।

मुलाकात

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से शनिवार को राजभवन में जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के नव नियुक्त कुलगुरु प्रो. पवन कुमार शर्मा ने मुलाकात की। कुलगुरु बनने के बाद राज्यपाल से उनकी यह पहली शिष्टाचार भेंट थी।

पुलिस ने पांच करोड़ रुपए का मादक पदार्थ जब्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान पुलिस ने बांसवाड़ा जिले में एक कथित तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से दो किलो 227 ग्राम अवैध मादक पदार्थ (एमडी ड्रग) जब्त की है। इसकी कीमत लगभग पांच करोड़ रुपए आंकी गई है।

प्रतापगढ़ के जिला पुलिस अधीक्षक बी. आदित्य ने बताया कि शुक्रवार को पुलिस टीम ने बागलिया से बरोठा जाने वाले रोड पर नाकाबंदी की थी। इसी दौरान एक बिना नंबर वाली मोटरसाइकिल बागलिया की तरफ से आती दिखाई दी। पुलिस टीम ने जब चालक को रुकने का इशारा किया तो उसने भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने त्वरित घेराबंदी कर मोटरसाइकिल चालक को धर दबोचा।

अधिकारी ने बताया कि मोटरसाइकिल सवार की पहचान अकबर पठान (40) निवासी कोटडी के रूप में हुई। पुलिस को मोटरसाइकिल की तलाशी में उसके बैग से कुल दो किलो 227 ग्राम मादक पदार्थ बरामद हुआ। उन्होंने बताया कि पूछताछ में अकबर खान ने खुलासा किया कि वह यह मादक पदार्थ बदरू उर्फ पीर मोहम्मद निवासी बागलिया से लाया था और इसे नईम खान निवासी कोटडी को देने जा रहा था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पशुपालकों की आर्थिक समृद्धि के लिए समन्वित प्रयास पर दिया बल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केन्द्रीय मत्स्य, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के पशुपालन व डेयरी विभाग की अपर सचिव डॉ. वर्षा जोशी ने शुक्रवार को सचिवालय स्थित सचिवालय में पशुपालन विभाग, राजस्थान के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय योजनाओं, केंद्र प्रायोजित कार्यक्रमों तथा राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की।

अपर सचिव ने कहा कि राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन एक इंटीग्रेटेड आई टी इकोसिस्टम है। इसका मुख्य उद्देश्य तकनीक समर्थित प्रणाली के माध्यम से विभाग की योजनाओं, लाभ प्रक्रिया, प्रगति की पशुपालकों को बेहतर जानकारी उपलब्ध कराना है जिससे कम समय में वांछित परिणाम मिल सके। राजस्थान जैसे पशुधन प्रधान राज्य में एनडीएलएम के माध्यम से पशुधन की उत्पादकता बढ़ाने, पशुपालकों की आय बेहतर करने और पशुओं तथा पशु उत्पादों को ट्रेस करने की क्षमता वृद्धि में बहुत मदद मिलेगी। डॉ. जोशी ने अधिकारियों को क्षेत्रीय स्तर पर नियमित निगरानी और फील्ड विजिट बढ़ाने के निर्देश दिए।

उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि केंद्र सरकार द्वारा संचालित राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन, राष्ट्रीय गोकुल मिशन और कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में गति बढ़ाएं तथा किसानों और पशुपालकों तक योजनाओं का लाभ सुनिश्चित रूप से पहुँचाया जाए। उन्होंने राज्य सरकार की नवाचारपरक पहल विशिष्ट सीमन बैंक और मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना की सराहना की। इससे पूर्व डॉ. जोशी ने जयपुर में बस्सी स्थित सीमन बैंक का दौरा कर सीमन बैंक की कार्यप्रणाली, संरचना , सीमन संरक्षण एवं उत्पादन की प्रक्रियाओं का निरीक्षण किया। डॉ. जोशी ने अधिकारियों से सीमन बैंक की तकनीकी व्यवस्था, गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली तथा नस्ल सुधार कार्यक्रमों की प्रगति के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि पशुधन की उत्पादकता बढ़ाने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले सीमन उत्पादन और वितरण पर विशेष ध्यान दें।

बिहार में महागठबंधन की सरकार बने ये लोगों की इच्छा : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बिहार विधानसभा चुनाव को दिलचस्प बताते हुए शनिवार को कहा कि लोगों की इच्छा है कि वहां महागठबंधन सरकार बनाए।

गहलोत ने यहां एक सवाल के जवाब में कहा, ''बिहार में दिलचस्प चुनाव है और महागठबंधन सरकार बनाए ये लोगों की इच्छा है और पूरा देश देख रहा है बिहार में क्या होगा।'' उन्होंने कहा कि हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में अन्य सभी (गैर-राजग) दलों के सफाए से पूरा देश चिंतित है, क्योंकि ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था।

गहलोत ने दावा किया कि अगर सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) अपनी ''गतिविधियां'' जारी रखता है तो देश को गंभीर खतरे का सामना करना पड़ेगा। केंद्र में सत्तारूढ़ राजग पर कटाक्ष करते हुए गहलोत ने कहा, ''लोकतंत्र कहा जा रहा है? अगर यही गतिविधियां रहीं राजग की तो देश के सामने बहुत बड़े खतरे होंगे, लोकतंत्र बचेगा कि नहीं या नाम का लोकतंत्र रहेगा।'' बिहार के लिए कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ पर्यवेक्षक गहलोत ने निर्वाचन आयोग के रवैये को भी तानाशाही भरा होने का आरोप लगाया।

राजस्थान में कई जगह बारिश होने व तापमान में गिरावट का अनुमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। एक नए मौसमी तंत्र के असर से राजस्थान के कई इलाकों में बारिश होने व तापमान में और गिरावट आने का अनुमान है।

मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार अरब सागर की खाड़ी में बना अवदाब आज कमजोर होकर 'वेल मार्क लो प्रेशर एरिया' (डब्ल्यूएमएम) में बदल गया है। इसके असर से एक व दो नवंबर को उदयपुर, कोटा संभाग में छुटपुट स्थानों पर हल्की बारिश होने व शेष अधिकांश भागों में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। वहीं तीन नवंबर से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। इससे जोधपुर, उदयपुर, अजमेर, जयपुर, भरतपुर व कोटा संभाग के कुछ भागों में तीन-चार नवंबर को मेघगर्जन के साथ हल्की-मध्यम बारिश हो सकती है। इस दौरान बीकानेर संभाग के क्षेत्रों में भी आंशिक बादल छाए रहने की संभावना है।

राज्य के अधिकांश भागों में पांच नवंबर से आगामी एक सप्ताह मौसम शुष्क रहने तथा उत्तरी हवाओं के प्रभाव से न्यूनतम तापमान में दो-चार डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट होने की पूरी संभावना है।

राजस्थान में कानून व्यवस्था रसातल में : कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। कांग्रेस की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने राज्य की कानून व्यवस्था को लेकर शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि राज्य में कानून व्यवस्था रसातल में चली गई है। उन्होंने प्रशासन में नौकरशाही के हावी होने का भी आरोप लगाया।

डोटासरा ने यहां पार्टी कार्यालय में मीडिया से बातचीत में कहा, ''राज्य में तो हालात बदतर हो गए...राज्य की कानून-व्यवस्था रसातल में चली गई और इसके लिये मुख्यमंत्री जिम्मेदार हैं। क्योंकि वह अपने विवेक से कोई कार्य नहीं कर रहे हैं बल्कि केन्द्र से आई पर्ची के आधार पर ही निर्णय ले रहे हैं।''

डोटासरा ने कहा, ''पुलिस मुख्यालय और पुलिस महानिदेशक (डीजी) का इकबाल होता था, उनके निर्देशन में ही सब कार्य करते थे लेकिन अब विभिन्न डीजी लगा दिये हैं और सारी व्यवस्था चौपट हो गई है।''

देश की हालातों को लेकर कांग्रेस नेता ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर भी कटाक्ष किया और आरोप लगाया कि 'आरएसएस ने राजस्थान को केंद्रशासित प्रदेश जैसा बना दिया है।' उन्होंने कहा, ''आज देश में विचित्र हालात हो गये हैं क्योंकि जो आरएसएस देश की जनता से वोट नहीं लेता है, उसकी जनता के प्रति कोई जवाबदेही नहीं है, परंतु वह सरकारों पर अंकुश लगा रहा है।'' उन्होंने कहा, ''राजस्थान स्वतंत्र राज्य है जिसे आरएसएस ने केन्द्र शासित प्रदेश बना दिया है जहां केंद्र की इच्छा के बगैर कुछ नहीं हो सकता है।''

डोटासरा ने आरोप लगाया, ''राज्य में नौकरशाही पूरी तरह से हावी है, जिसे कोई भय नहीं है। ऐसे में आम जनता की स्थिति तो सोचनीय हो गई है।''

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बलिदान दिवस तथा सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर कांग्रेस मुख्यालय पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम हुआ।

स्वस्थ जनतंत्र की पहचान शत प्रतिशत हो मतदान बैंड वादन एवं मानव श्रृंखला से किया जागरूक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बारां। जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) रोहिताश्व सिंह तोमर के निर्देशन में स्वीप कार्यक्रम अंतर्गत हाथ से हाथ मिलाए लोकतंत्र मजबूत बनाएं की थीम पर अंता विधानसभा क्षेत्र में समस्त ब्लॉक मुख्यालय पर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। वहीं सीसवाली मुख्यालय पर कृषि मंडी परिसर में आयोजित समारोह में सीईओ एवं नोडल अधिकारी स्वीप राजवीर सिंह चौधरी ने सभी मतदाताओं से 11 नवम्बर को विधानसभा उपचुनाव लोकतंत्र के महापर्व में आवश्यक रूप से मतदान करते हुए अपना कर्तव्य निभाने की अपील की। साथ ही उपस्थित जन को निर्भीक होकर मतदान करने का संकल्प कराया। बैंड वादन एवं वृहद मानव श्रृंखला बनाकर दिया जागरूकता का संदेश

इस दौरान स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूल के विद्यार्थियों ने ब्रास बैंड की मधुर स्वर लहरियों से कार्यक्रम में समा बांधकर आकर्षक तरीके से मतदाताओं को जागृत किया। वहीं विद्यार्थियों ने हाथों में मतदाता जागरूकता स्लोगन लिखी तख्तियां लिए हुए 11 नवम्बर नोट करें निर्भय होकर वोट करें जैसे नारों का उद्घोष करते हुए कतारबद्ध होकर मानव श्रृंखला बनाई तथा आमजन को मतदान दिवस 11 नवम्बर पर मतदान करने के लिए प्रेरित किया। सह प्रभारी स्वीप अमित भार्गव ने निर्वाचन के ऑनलाइन एप्लीकेशंस से परिचित कराया तथा निर्वाचन संबंधी समाधान प्राप्त करने की प्रक्रिया समझाई।

साइबर ठगों ने भेजने शुरू किए नकली न्योते, पुलिस ने आगाह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान में शादी-विवाह का सीजन शुरू होते हुए साइबर ठगों ने नकली न्योते (ई-निमंत्रण लिंक) भेजने शुरू कर दिए जबकि पुलिस ने लोगों को किसी भी प्रकार के लिंक पर क्लिक न करने को लेकर आगाह किया।

पुलिस ने बताया कि लिंक पर क्लिक करने से निजी जानकारी व बैंकिंग ब्यौरा चोरी हो सकता है।

उपमहानिरीक्षक (साइबर अपराध) विकास शर्मा ने बताया कि अपराधी मोबाइल पर एक फर्जी एपीके फाइल साझा कर रहे हैं, जिसका नाम अक्सर आमंत्रण.एपीके होता है। उन्होंने बताया कि जैसे ही यूजर शादी के आमंत्रण या लोकेशन लिंक समझकर इस पर क्लिक करते हैं, यह एप्लिकेशन मोबाइल में इंस्टॉल हो जाता है। अधिकारी ने बताया कि यह कोई साधारण ऐप नहीं बल्कि एक 'बैकडोर मैलवेयर' है, जो आपके फोन को हैक कर लेता है। उन्होंने बताया कि इंस्टॉल होने के बाद यह मैलवेयर चुपके से एसएमएस, संपर्क सूची, कैमरा और फाइल एक्सेस जैसी संवेदनशील अनुमतियां ले लेता है और इसके बाद यह गुप्त रूप से यूजर की व्यक्तिगत जानकारी, बैंकिंग डिटेल, ओटीपी और पासवर्ड एकत्रित करना शुरू कर देता है। अधिकारी ने बताया कि साइबर अपराधी इसी चोरी किए गए डेटा का उपयोग करके बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी को अंजाम दे रहे हैं।

साइबर अपराध शाखा ने आमजन से अपील की है कि वे किसी भी ई-निमंत्रण या गिफ्ट लिंक पर क्लिक करने से पहले भेजने वाले की पहचान सुनिश्चित करें औक साथ ही ऐप हमेशा केवल गूगल प्ले स्टोर या एप्पल ऐप स्टोर जैसे अधिकृत ऐप स्टोर से ही डाउनलोड करें।

स्कूल की वैन और एसयूवी की टक्कर में दो छात्रों की मौत, पांच घायल

कोटा (राजस्थान)/भाषा। कोटा से करीब 80 किलोमीटर दूर इटावा कस्बे के पास शनिवार सुबह एक निजी स्कूल की वैन और एक स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) की टक्कर हो गई। घटना में दो छात्राओं की मौके पर ही मौत हो गई जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

पुलिस ने यह जानकारी दी। इटावा के पुलिस उपाधीक्षक (डीसीपी) शिवम जोशी ने बताया कि यह दुर्घटना सुबह करीब आठ बजे हुई जब एक स्कूल की वैन 10 से 12 छात्रों को लेकर गैता गांव से इटावा स्थित एक निजी स्कूल जा रही थी। कस्बे के पास वैन का संतुलन बिगड़ने से वह बूंदी की ओर जा रही एक एसयूवी से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहन पलट गए।

पुलिस अधिकारी ने कहा कि चश्मदीदों ने बताया कि स्कूल वैन का टायर फटने के बाद वह संतुलन खो बैठी थी। मृत छात्राओं की पहचान 15 वर्षीय तनु धाकड़ और आठ वर्षीय पारुल आर्य के रूप में हुई है। तनु कक्षा 10 की छात्रा थी और पारुल कक्षा चार में पढ़ती थी।

पुलिस ने बताया कि पांच गंभीर रूप से घायल छात्रों को कोटा के न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

राजस्थान उच्च न्यायालय के भवन में बम की धमकी झूठी निकली

जयपुर/भाषा। जयपुर में राजस्थान उच्च न्यायालय के भवन में बम रखे होने की धमकी जांच में झूठी निकली। पुलिस ने यह जानकारी दी। वैसे उच्च न्यायालय भवन में धम रखा होने की धमकी मिलने से पुलिस एवं सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया था। उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार को न्यायालय परिसर, जयपुर को बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिला। इसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। इस पर आतंकवादी निरोधक दस्ते एटीएस और श्वान दस्ते की टीम न्यायालय परिसर पहुंची। पुलिस ने कहा, जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला, जिसके बाद न्यायालय का कामकाज शुरू हो गया। न्यायालय कक्षों, पार्किंग क्षेत्र समेत पूरे परिसर की गहन तलाशी ली गई। हाल में शहर के कई स्कूलों और स्थानीय अदालतों को इस तरह की धमकियां मिलीं जो बाद में झूठी निकलीं।

कन्नड़ की उपेक्षा कर रही है केंद्र सरकार, थोप रही हिंदी : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शनिवार को केंद्र सरकार पर कन्नड़ भाषा की उपेक्षा करने और हिंदी थोपने का आरोप लगाया। उन्होंने राज्य के लोगों से 'कन्नड़-विरोधी' ताकतों का विरोध करने का भी आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने राज्य स्थापना दिवस (राज्योत्सव दिवस) के अवसर पर राजधानी में आयोजित कार्यक्रम में कहा, केंद्र सरकार कर्नाटक के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। सत्तरवें कन्नड़ राज्योत्सव समारोह का आयोजन स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य केंद्र को 4.5 लाख करोड़ रुपये का राजस्व देता है, लेकिन उसे उसका उचित हिस्सा नहीं मिलता और बदले में बहुत ही मामूली राशि दी जाती है।

कन्नड़ भाषा के साथ अन्याय होने का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, हिंदी थोपने के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। हिंदी और संस्कृत के विकास के लिए अनुदान दिए जाते हैं, जबकि देश की अन्य भाषाओं की उपेक्षा की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि कर्नाटक को राज्य के विकास के लिए आवश्यक धन से वंचित किया जा रहा है। सिद्दरामय्या ने कहा, ''कन्नड़ जैसी शास्त्रीय भाषा के विकास के लिए पर्याप्त धनराशि नहीं दी जा रही, जिससे उसके साथ अन्याय हो रहा है। हमें उन सभी का विरोध करना चाहिए जो कन्नड़-विरोधी हैं।'' कन्नड़ भाषा और उसकी संस्कृति को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा में कन्नड़ भाषा की उपेक्षा के कारण कई समस्याएं उत्पन्न हुई हैं।

उन्होंने कहा, ''विकसित देशों के बच्चे अपनी मातृभाषा में सोचते, पढ़ते-लिखते और सपने देखते हैं, लेकिन यहां स्थिति इसके विपरीत है। अंग्रेज़ी और हिंदी हमारे बच्चों की प्रतिभा को कमजोर कर रही हैं।''

सिद्दरामय्या ने कहा, ''इसलिए मातृभाषा को शिक्षा के माध्यम के रूप में लागू करने के लिए कानून बनाने की आवश्यकता है। मैं इस दिशा में केंद्र से गंभीरता से विचार करने का आग्रह करता हूं।'' मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उनकी सरकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण उत्पन्न हो रही चुनौतियों का सामना करने के लिए कन्नड़ भाषा को तैयार के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि इससे रोजगार पर असर न पड़े। उन्होंने विद्वानों और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों से कन्नड़ को आधुनिक प्रौद्योगिकी की भाषा में रूपांतरित करने में सहयोग देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, सूचना प्रौद्योगिकी का युग अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में बदल गया है। यह आशंका भी है कि इससे नौकरियों का नुकसान हो सकता है। हमारी सरकार कन्नड़ भाषा, परंपरा और संस्कृति को वैश्विक स्तर तक पहुंचाने के लिए काम कर रही है। इसके तहत हम अपनी भाषा को एआई (एआई) की चुनौतियों से निपटने योग्य बना रहे हैं ताकि रोजगार पर असर न पड़े।

सिद्दरामय्या ने कहा कि राज्य सरकार कन्नड़ को मजबूत बनाने और उसे शिक्षा व रोजगार में प्रासंगिक बनाए रखने के लिए कई उपाय कर रही है। उनके अनुसार, 800 कन्नड़ स्कूलों और 100 उर्दू स्कूलों को कर्नाटक पब्लिक स्कूल्स (केपीएस) के रूप में विकसित किया जाएगा, जबकि मदरसों में कन्नड़ शिक्षण को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा, कन्नड़ भाषा और परंपरा को वैश्विक स्तर तक ले जाने की आवश्यकता को देखते हुए हम इसके लिए एक नई नीति तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अल्पसंख्यक समुदायों को मुख्यधारा में लाने के लिए मदरसा शिक्षा में प्राथमिक कन्नड़ पढ़ाई जा रही है। फिलहाल 180 मदरसों में कन्नड़ पढ़ाई जा रही है। पूरे राज्य में 1,500 मदरसों में कन्नड़ पढ़ाने का प्रयास किया जाएगा।

कर्नाटक के 69वें स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री ने स्थापना आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि दी और अलूरु वेंकट राव, अंदनप्पा डोड्डामेटी, गूडलेप्पा हल्लिकेरी, सिद्धप्पा कंबली, आर.एच. देशपांडे, कौजलगी श्रीनिवास राव और केंगल हनुमंथैया जैसे नेताओं को याद किया। उन्होंने कहा, आज का कर्नाटक उनके संघर्ष का परिणाम है।

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार एकजुट, नेतृत्व परिवर्तन की कोई संभावना नहीं : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने राज्य में नेतृत्व में संभावित बदलाव की अटकलों को शनिवार को खारिज करते हुए कहा कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार पूरी तरह से एकजुट है। उन्होंने कहा कि मीडिया या कांग्रेस के लोगों को नेता की तलाश करने की कोई जरूरत नहीं है। उपमुख्यमंत्री ने राजनीतिक अफवाहों को खारिज करते हुए कहा, केवल वही बात मायने रखती है जो मैंने और मुख्यमंत्री ने कही है। उसके अलावा किसी और की बात का कोई मतलब नहीं है।

कंटीरवा स्टेडियम के निकट संवाददाताओं से बात करते हुए शिवकुमार ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार का ध्यान अटकलों पर नहीं, बल्कि शासन और विकास पर है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के साथ उनका समन्वय बरकरार है और ''यह हमारी एकता के कारण ही है कि हमने 136 निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल की है और हमारी ताकत 140 तक पहुंच गई है''।

बेंगलूरु में प्रस्तावित टनल रोड परियोजना के मुद्दे पर शिवकुमार ने कहा, ''मैं कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक के नेतृत्व में टनल रोड मुद्दे पर एक समिति गठित करने के लिए तैयार हूं। लालबाग के पास प्रवेश और निकास बिंदु उनके सुझाए गए स्थान पर डिजाइन किए जाएंगे। ''

शिवकुमार ने यह स्पष्ट किया कि वह शहर के बुनियादी ढांचे पर द्विदलीय दृष्टिकोण को खुले मन से स्वीकार करते हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बेंगलूरु में प्रस्तावित टनल रोड परियोजना का विरोध कर रही है। उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''अशोक को धरना देने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि वह बेंगलूरु से हैं। वह यहां से सात-आठ बार जीत चुके हैं। उनकी भी जिम्मेदारी बनती है। उनके नेतृत्व में बनी समिति ही सरकार को सलाह और निर्देश दे। मल्लेश्वरम के विधायक सी एन अश्वथ नारायण सहित जो भी नाम सुझाएंगे, उन्हें इस समिति में शामिल किया जाएगा। हम सभी को मिलकर काम करना होगा और हम करेंगे।''

शिवकुमार ने बताया कि उन्होंने शुक्रवार रात लालबाग के निकट टनल रोड स्थल का व्यक्तिगत रूप से निरीक्षण किया था। कांग्रेस नेता ने कहा, ''मैंने लालबाग के आस-पास के इलाके का दौरा किया ताकि पता लगाया जा सके कि प्रवेश द्वार कहां बनाए जा सकते हैं। मैं वैकल्पिक रास्तों पर भी विचार कर रहा हूं। किसी भी तरह की चिंता की कोई जरूरत नहीं है।''

उन्होंने आश्वासन दिया कि परियोजना के क्रियान्वयन में जनहित का ध्यान रखा जाएगा। भाषाई और क्षेत्रीय पहचान के मुद्दे पर उपमुख्यमंत्री ने अपनी स्थिति स्पष्ट की। बेलगावी में महाराष्ट्र एकीकरण समिति के सदस्यों के साथ पुलिस द्वारा सेल्फी लेने और उन्हें सुरक्षा प्रदान करने के बारे में पूछे जाने पर शिवकुमार ने कहा, हम महाराष्ट्र एकीकरण समिति (एमईएस) सदस्यों को बदलने के लिए काम करेंगे।

टीवीएस मोटर की कुल बिक्री अक्टूबर में 11 प्रतिशत बढ़कर 5,43,557 इकाई रही

चेन्नई। टीवीएस मोटर कंपनी ने शनिवार को बताया कि अक्टूबर 2025 में उसकी बिक्री 11 प्रतिशत बढ़कर 5,43,557 इकाई हो गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 4,89,015 इकाई थी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि पिछले महीने कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री 10 प्रतिशत बढ़कर 5,25,150 इकाई हो गई, जबकि अक्टूबर 2024 में यह 478,159 इकाई

थी। कंपनी ने आगे कहा कि घरेलू दोपहिया वाहनों की बिक्री आठ प्रतिशत बढ़कर 4,21,631 इकाई हो गई, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 3,90,489 इकाई थी।

अक्टूबर 2025 में मोटरसाइकिलों की बिक्री पिछले साल इसी महीने में 2,30,822 इकाइयों से 16 प्रतिशत बढ़कर 2,66,715 इकाई हो गई। स्कूटरों की बिक्री पिछले महीने सात प्रतिशत बढ़कर 2,05,919 इकाई हो गई। कंपनी ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री अक्टूबर 2025 में 32,387 इकाई रही, जो सालाना आधार पर 11 प्रतिशत अधिक है।

सिद्दरामय्या ने प्लास्टिक की बोतलों पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सभी सरकारी विभागों को निर्देश दिया है कि वे राज्य भर के कार्यालयों और आधिकारिक कार्यक्रमों में पानी की प्लास्टिक बोतलों के स्थान पर टिकाऊ विकल्पों का उपयोग करके पर्यावरण अनुकूल उपायों को सख्ती से अपनाएं। मुख्यमंत्री ने 28 अक्टूबर को जारी एक बयान में पर्यावरणीय जिम्मेदारी और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। यह बयान शुक्रवार को मीडिया में जारी किया गया। इस निर्देश का उद्देश्य स्थानीय उद्यमों को सहयोग देते हुए सरकार को अधिक टिकाऊ तरीके से कार्य करने में सक्षम बनाना है।

सिद्दरामय्या ने कहा, ''राज्य भर के सभी सरकारी कार्यालयों और आधिकारिक बैठकों में पीने के पानी के लिए प्लास्टिक की बोतलों के बजाय पर्यावरण के अनुकूल सामग्रियों का उपयोग करने के निर्देश पहले ही जारी किए जा चुके हैं। इस उपाय को सख्ती से लागू करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए।'' इसके अलावा, ''मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि वे सचिवालय में आयोजित बैठकों और आधिकारिक कार्यक्रमों के दौरान सरकारी स्वामित्व वाले कर्नाटक दुग्ध महासंघ (केएमएफ) के नंदिनी उत्पादों का अनिवार्य रूप से उपयोग करें।''

राज्योत्सव

बेंगलूरु में 1 नवम्बर को राजभवन में कर्नाटक और कन्नड़ एवं संस्कृति विभाग द्वारा राजभवन सभागार में आयोजित 70वें कन्नड़ राज्योत्सव समारोह संध्या का उद्घाटन राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने किया। इस मौके पर सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया।

कार्यालय में लाइट की स्विच को लेकर झगड़ा, सहकर्मी ने व्यक्ति की हत्या की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में शनिवार तड़के किराये के एक कार्यालय में लाइट बंद करने को लेकर हुए झगड़े के बाद 41 वर्षीय एक व्यक्ति की उसके सहकर्मी ने कथित तौर पर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान चित्रदुर्ग जिले के रहने वाले भीमेश बाबू के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि घटना तड़के 1.30 बजे के आसपास डेटा डिजिटल बैंक कंपनी के कार्यालय में हुई। यह कंपनी रोजाना फिल्म शूटिंग के वीडियो संग्रहित करती है।

पुलिस के अनुसार, रात में कार्यालय में रुके दो कर्मचारियों के बीच कथित तौर पर लाइट बंद करने को लेकर बहस हो गई। गुस्से में आकर विजयवाड़ा निवासी सोमाला वामशी (24) ने कथित तौर पर अपने सहकर्मी भीमेश के माथे पर डंबल से वार किया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने बाद में गोविंदराज नगर पुलिस थाना जाकर आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले की जांच जारी है।

बेंगलूरु-कोच्चि वंदे भारत एक्सप्रेस की समय सारणी घोषित

बेंगलूरु/कोच्चि। रेल मंत्रालय ने नई बेंगलूरु-कोच्चि वंदे भारत एक्सप्रेस की समय सारणी घोषित कर दी गई है। जिसका परिचालन जल्द ही शुरू होने वाला है। शुक्रवार को रेलवे बोर्ड द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार, ट्रेन संख्या 26651 केएसआर बेंगलूरु-एर्नाकुलम जंक्शन वंदे भारत एक्सप्रेस, बेंगलूरु से सुबह 5.10 बजे रवाना होगी और अपराह्न 1.50 बजे एर्नाकुलम जंक्शन पहुंचेगी। वापसी सेवा में 26652 एर्नाकुलम जंक्शन-केएसआर बेंगलूरु, एर्नाकुलम से अपराह्न 2.20 बजे प्रस्थान करेगी और रात 11 बजे बेंगलूरु पहुंचेगी। यह ट्रेन कृष्णराजपुरम, सेलम, इरोड, तिरुप्पुर, कोयंबटूर,पलक्कड़, और त्रिशूर पर रुकेगी।

मंत्रालय ने दक्षिणी रेलवे और दक्षिण पश्चिमी रेलवे ज़ोन को यह सेवा जल्द से जल्द शुरू करने का निर्देश दिया है। यह तिरुवनंतपुरम-कासरगोड और तिरुवनंतपुरम-मंगलूरु मार्गों के बाद केरल में तीसरी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन सेवा होगी।

राज्योत्सव पुरस्कार

बेंगलूरु में शनिवार को रवींद्र कलाक्षेत्र में चालू वर्ष के 70 कन्नड़ राज्योत्सव पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, मंत्री शिवराज थंगडगी, कन्नड़ और संस्कृति विभाग के सचिव वेंकटेश, निदेशक गायत्री और अन्य उपस्थित थे।

राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर मैंने इस पुरस्कार के लिए किसी के नाम की सिफ़ारिश नहीं की है : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर मैंने इस पुरस्कार के लिए किसी के नाम की सिफ़ारिश नहीं की है। चयन समिति का फ़ैसला अंतिम फ़ैसला है। उन्होंने रवींद्र कलाक्षेत्र में कन्नड़ एवं संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित 70वें कर्नाटक राज्योत्सव का उद्घाटन करने और 70 उपलब्धि हासिल करने वालों को राज्योत्सव पुरस्कारों से सम्मानित करने के बाद यह बात कही। यह देखते हुए कि कर्नाटक के उदय को 70 साल हो चुके हैं, उन्होंने कहा कि पुरस्कारों के लिए 70 उपलब्धि हासिल करने वालों का चयन किया गया है। आवेदन करने वालों की परवाह किए बिना, अपने-अपने क्षेत्रों के विशेषज्ञों की पहचान और चयन करना

चयन समिति का फ़ैसला अंतिम

हमारा फ़ैसला था। उन्होंने कामना की कि सभी पुरस्कार विजेता शतायु हों और अपने-अपने क्षेत्रों में और अधिक उपलब्धियाँ हासिल करें और एक सार्थक जीवन जीएँ।

उन्होंने कहा कि जब एक ही श्रेणी में एक से ज़्यादा उपलब्धि हासिल करने वालों के नाम होते हैं, तभी क्षेत्रीय न्याय और सामाजिक न्याय के लिए किसी एक योग्य व्यक्ति का नाम तय किया जाता है। मीडिया ने किसी के चयन पर कोई आपत्ति नहीं जताई। इसलिए उन्होंने अपनी प्रशंसा व्यक्त की और कहा कि उनका मानना है कि केवल योग्य लोगों को ही पुरस्कार मिले। उन्होंने पुरस्कार विजेता कोनंदुर लिंगप्पा का ज़िक्र किया और समाजवादी संघर्ष के दिनों को याद किया।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. 22/2025/एसबीसी
दिनांक: 29.10.2025

अधोहस्ताक्षरी, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

संक्षिप्त विवरण	मात्रा
निविदा सं. L8256169B ''आईईसी 60903:2014/आईएस 13774:2021 (आरईवी-2) के अनुसार 36केवी वर्किंग वोल्टेज के साथ क्लास 4 हैंड ग्लव्स की आपूर्ति।	1665 जोड़ी

निविदाएं जमा करने की अंतिम तिथि: 24.11.2025 को 10:30 बजे तक

विवरण के लिए लॉगऑन करें www.ireps.gov.in

वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक बेंगलूरु
PUB/598/AAD360/PRB/SWR/2025-26

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए Google Play Store से UTS मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | @SWRAILWAYHQ | @sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं: 19-CWS-MYSS-2025-26 दिनांक: 25.10.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
अंडर फ्रेम के एलएचबी फ्रंट पॉर्ट का प्रतिस्थापन के लिए होल्डर और ट्रॉली का सेट (मात्रा: 02 सेट)	रु. 38,41,954.70

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 17.11.2025, 11:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

उप मुख्य कार्यशाला व्यवस्थापक/केंद्र कार्यशाला मैसूरु
PUB/589/AAF/PRB/SWR/2025-26

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं: CAO/CN/BNC/152/2025
दिनांक: 27.10.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
हेब्बाल और लोट्टेगोल्लहल्ली स्टेशनों के बीच किमी. 217/800-900 पर एलसी नं. 148 के बदले आरसीसी बॉक्स (2x5.50x4.50) के साथ और किमी. 219/600-700 पर एलसी नं. 152 के बदले आरसीसी बॉक्स (2x5.5x4.5) के साथ रोड़ अंडर ब्रिज का निर्माण और एलसी 152 और 148 पर आरयूबी एप्रोचों के लिए कंटिगुअस पाईल्स वॉल का निर्माण (शेष भाग)। (निविदा संदर्भ सं.: YPR-CSDR-DL-06)	रु. 8,59,49,289/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 18.11.2025, 15:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/कार्य बेंगलूरु छावनी
PUB/593/AAF/PRB/SWR/2025-26

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

निविदा सूचना सं: 07-MYS-2025
दिनांक: 17.10.2025

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
140 मेट. सामर्थ्य पिट-लेस इलेक्ट्रॉनिक-इन-मोशन वैय ब्रिज। फर्मों को व्यापक रखरखाव अनुबंध (सीएएमसी) खर्चों के बारे में कोट देने के लिए अनुरोध है। (निविदा सं. L9255393C)	रु. 32,00,000/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 10.11.2025, 10:30 बजे तक

निविदा सूचना सं: 08-MYS-2025
दिनांक: 23.10.2025

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
11 केवी / 415 वी. आऊटडोर टाईप 1000 केवीए ड्राई टाईप कॉंपाक्ट सब स्टेशन (सीएसएस) का आपूर्ती। (निविदा सं. L9256059)	रु. 57,06,125/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 13.11.2025, 10:30 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में कोई शुद्धीपत्र के लिए वेबसाईट को संदर्शन करते रहें

वरिष्ठ विभागीय सामग्री प्रबंधक मैसूरु
PUB/584/AAF/PRB/SWR/2025-26

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

प्रोफार्मा 10-1
सार्वजनिक अधिसूचना

बडनाहल्लु यार्ड रेलवे के नीचे वर्णित सेक्शन के पूर्ण हुए खंड पर स्थित रेलवे लाइनों और परिसरों के सभी उपयोगकर्ताओं को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि 25000 वोल्ट, 50 हर्ट्ज (Hz) एसी ओवरहैड ट्रैक्शन वायर खंड के सामने दी गई निर्धारित तारीख को या उसके बाद चालू हो जाएंगे। उस तारीख से ओवरहैड ट्रैक्शन लाइन को हर समय चालू माना जाएगा और कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति उक्त चालू ओवरहैड लाईन के निकट या आस-पास प्रवेश या कोई कार्य नहीं करेगा।

खंड	स्टेशन	तिथि	जोन
सोमलापुरम-रायदुर्ग जंक्शन	बडनाहल्लु यार्ड	02.11.2025	दक्षिण पश्चिम रेलवे

PUB/610/AAD360/PRB/SWR/2025-26 मुख्य परियोजना प्रबंधक/गति शक्ति/हुब्बल्लि

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए Google Play Store से UTS मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | @SWRAILWAYHQ | @sw_railways

தொழிலாளர் அரசு காப்பீட்டுக் கழகம்
(தொழிலாளர் மற்றும் வேலை வாய்ப்பு அமைச்சகம், இந்திய அரசு)
कर्मचारी राज्य बीमा निगम
(श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार)
EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION
(Ministry of Labour & Employment, Govt of India)
क.रा.बी.नि E.S.I.C

மண்டல அலுவலகம் / क्षेत्रीय कार्यालय / Regional Office
143, ஸ்டெர்லிங் சாலை, நுங்கம்பாக்கம், சென்னை-600 034.
143, स्टर्लिंग रोड, नुंगमबाक्कम, चेन्नै-600 034.
143, Sterling Road, Nungambakkam, Chennai-600 034.
Phone: 044-28306300 (100 Lines)
E-mail: rd-tamilnadu@esic.gov.in
Website: www.esic.gov.in / www.rotamilnadu.esic.gov.in

दि. 02.11.2025

एमनेस्टी योजना 2025
कर्मचारी राज्य बीमा निगम

31 मार्च 2025 तक दर्ज मामलों पर लागू यह योजना **01 अक्टूबर 2025 से 30 सितंम्बर 2026** तक प्रभावी है।

क्यों लाई गई यह योजना?
- कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 के तहत लंबे समय से लंबित मामलों को निपटाने का एकमात्र अवसर।
- मुकदमेबाजी घटेगी और कानूनी खर्चों में बचत होगी।
- क.रा.बी. निगम, नियोक्ताओं और बीमाकृत व्यक्तियों के बीच विश्वास और सौहार्द को बढ़ावा।

किसे मिलेगा लाभ?
- नियोक्ताओं (Employers) को: क.रा.बी. अधिनियम की धाराएं 75, 82, 85, 85ए एवं भारतीय संविधान के अनुच्छेद 226 के अंतर्गत वाले विवादों में।
- कर्मचारियों / बीमाकृत व्यक्तियों (Employees / Insured Persons): धारा 84 के अधीन मामलों में (अधिक भुगतान वापसी)।
- इकाइयों को: रिटर्न जमा न करने, देरी से घोषणा पत्र जमा करने या पुराने मामलों में मामूली बकायों में।

आवेदन कैसे करें?
- अधिक सहायता/जानकारी के लिए अपने नजदीकी क्षेत्रीय /उप-क्षेत्रीय कार्यालय (RO/SRO) में संपर्क करें।
- आवश्यक दस्तावेज़ एवं भविष्य में अनुपालन का वचन पत्र जमा करें।
- कॉल करें: टोल-फ्री हेल्पलाइन: 1800-11-2526

योजना में क्या शामिल है?
- व्याप्ति के विवाद (Dispute of Coverage): अंशदान + ब्याज का भुगतान करें; कोई हर्जाना नहीं।
- अंशदान विवाद (Dispute of Contribution): सुसंगत दस्तावेज न होने पर न्यूनतम 30% का भुगतान।
- हर्जानों का विवाद (Disputed Levy of Damages): यदि अंशदान और ब्याज पहले ही जमा, तो केवल 10% हर्जाने का भुगतान।
- अभियोजन की वापसी (Withdrawal of Prosecution): धारा 84, 85 एवं 85ए के मामले, अनुपालनाधीन।
- पुराने मामले (Old Cases): 15 वर्ष से अधिक पुराने एवं ₹25,000 से कम बकाया वाले मामले बंद किए जा सकते हैं।
- विलंबित रिटर्न/घोषणा (Late Returns/ Declarations): अनुपालन पश्चातब मामले को बंद कर सकते हैं।

योजना से जुड़ने के लाभ
- लंबित मुकदमों से राहत।
- अधिकांश मामलों में भारी हर्जानों से छूट।
- पारदर्शी एवं न्यायपूर्ण निपटान प्रक्रिया।
- मामले 6 महीने के भीतर निपटाए जाएंगे।
- नियोक्ताओं एवं कामगारों को मानसिक शांति।

इस अवसर को छूटने न दें, आज ही विवादों का समाधान करें, कल को सुरक्षित बनाएं!

हस्ता/-
क्षेत्रीय निदेशक (प्रभारी)

सुविचार

सफलता उन्हीं को मिलती है जो अपने सपनों को हकीकत बनाने का साहस रखते हैं।

ट्वीट

जयपुर में राजस्थान की प्रसिद्ध पिचवाई कला पर आधारित 'दर्शनम आर्ट फेस्टिवल' में सम्मिलित होकर प्रदर्शनी का अवलोकन किया। नाथद्वारा से जुड़ी पिचवाई कला में नाथद्वारा मंदिर के श्री कृष्ण भगवान के विभिन्न स्वरूपों, उनकी लीलाओं और विभिन्न धार्मिक प्रसंगों को बहुत ही सुन्दर तरीके से कपड़े पर चित्रित करके उकेरा जाता है, अपनी अलग ही विशिष्ठ पहचान रखती है।।

-दीया कुमारी

हम भारत को एक सशक्त, समर्थ और समृद्ध देश बनाएंगे। आज 11 साल बाद पीछे मुड़कर देखें तो एक तरफ गरीब लोगों के जीवन में बदलाव लाने के लिए विभिन्न योजनाएं लागू की गईं, जिसका असर 30 करोड़ लोगों के गरीबी रेखा से बाहर आने के रूप में देखा जा सकता है... हम चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं और तीसरी बनने की ओर अग्रसर हैं, जीएसटी का क्रियान्वयन इस यात्रा में एक मील का पत्थर रहा... अर्थव्यवस्था मजबूत हुई... और जीएसटी परिषद ने इसे और सरल बनाया है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

कहानी

कशमकश

अमिय बिंदु

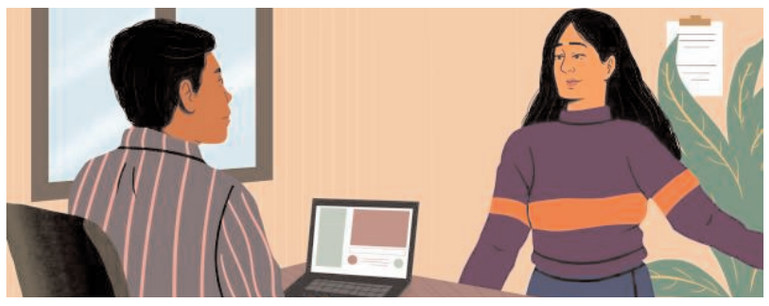

सेक्रेटरी को केबिन से बाहर निकाल 'रघु' ने धड़ाक से दरवाजा बंद कर दिया। इतनी जोर से कि दरवाजे का शीशा चकनाचूर होकर बिखर गया। लोगों की नजरें उधर उठ गईं। फर्श पर शीशे के टुकड़े बिखरे थे। सारिका के मन में भी कुछ चिटक गया, कुछ टूट गया। उसकी आवाज नहीं सुनाई पड़ी। टुकड़ों को सहेजती हुई, रुलाई को गटकती हुई वह अपनी केबिन में चली गई।

रघु सर गुस्से में है। बहुत ही गुस्से में है।

बात पूरी ऑफिस के वातावरण में तैरने लगी। कनॉट प्लेस से थोड़ी दूर बाराखंबा रोड पर आसमान को उँगली करती हुई एक इमारत खड़ी है। इसके ग्यारहवें तल पर देश की सबसे बड़ी तेल कंपनी का ऑफिस है यह। जिनके माँ-बाप गंगा में जौ बोए होते हैं उन्हीं के बेटे-बेटियों को नौकरी मिलती है इसमें। बड़े भाग मानुष तन पावा। उससे भी बड़ा भाग कि इस कंपनी में आवा। अपनी मोटी आमदनी के चलते कंपनी अपने कर्मचारियों पर भी मोटा खर्च करती है।

रघु है कौन?

रघु इसी कंपनी में सीनियर सेल्स मैनेजर है। रघु, रंजना का पति भी है। रंजना, रघु से ज्यादा पढ़ी लिखी है। ज्यादा डिग्रियाँ हैं उसके पास। मगर नकचढ़ी नहीं है। रंजना से शादी करके रघु खूब खुश था। शादी के समय रंजना नौकरी नहीं करती थी। पढ़ाई के बल पर मोटे तनख्वाह वाले रघु को फाँस लिया था। या कहिए कि इलाहाबाद यूनिवर्सिटी की स्कॉलर से रघु ने शादी के लिए हाँ कर दी थी। रंजना इलाहाबाद में कंपटीशन की तैयारी भी करती थी। रघु के मन में सरकारी नौकरी न होने की टीस थी। कई बरस तैयारी में उसने भी खराब किए थे। उसे लगा दोनों में से कोई एक सरकारी नौकरी में रहेगा तब भी जिंदगी की गाड़ी चल पड़ेगी।

तो क्या रघु, रंजना से गुस्सा है?

रघु बड़ी पोस्ट पर है। खूब कमाता है। ब्याह के बाद रंजना इलाहाबाद से दिल्ली आ गई। दिल्ली बड़ा शहर था। देखने के लिए बहुत कुछ था। घूमने के लिए बहुत कुछ था। अभाव जैसा कुछ था भी नहीं। राजधानी की चकाचौंध ने उसे सम्मोहित सा कर लिया। शादी के बाद एक बरस कैसे निकल गया दोनों को पता न चला। साल बीतते किसी तीसरे के आने की आहट मिल गई। तब जाकर दोनों को एहसास हुआ कि एक साल हनीमून में ही बीत गया। कुछ दिनों बाद एक पुरुष सदस्य ने घर में जन्म लिया। यह हैप्पी फेमिली का तीसरा सदस्य था। अमन के आने से घर की रौनक बढ़ गई। रघु की जिम्मेदारियाँ बढ़ गईं। रंजना की व्यस्तता बढ़ गई।

रघु जब तब रंजना को छेड़ता रहता। 'इतने अरमानों से पढ़ाई की थी। कुछ कर लो। समय निकल जाएगा तो हाथ मलती रहोगी।' रंजना कसमसाती। इधर-उधर थोड़ा पढ़ने लगती। उसे पढ़ता देख रघु उसे समझाने लगता। कुछ-कुछ बताने लगता। तरह-तरह की सलाह देता।

घर सामानों से पटा पड़ा था। सारी सुविधाएँ थीं। ऑटोमेटिक मशीनों से जिंदगी में आराम बहुत आ चुका था। फिर भी रंजना पहले की तरह नहीं पढ़ पाती थी। पहले की तरह मन नहीं रमता था। किताब खोलकर बैठी रहती और रघु देश की समस्याओं पर चर्चा शुरू कर देता। वह बढ़ती जनसंख्या को लेकर खूब परेशान था। बीटेक में उसे जनसंख्या की समस्या पर लिखे निबंध पर राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुका था। वह गुस्से से काँपने लगता कि सरकारें उस दिशा में कुछ नहीं कर रहीं। उसने बहुत अच्छे सुझाव भी अपने निबंध में दिए थे।

ऐसी ही किसी चर्चा के दौरान दोनों ने सहमति से 'हम दो हमारे एक' का चीनी फैसला ले लिया। फिर उस पर अडिग रहने की कोशिश करने लगे। रघु को कभी कभी खुशी होती कि वह देश की इतनी भीषण समस्या के समाधान हेतु कुछ कर रहा है। रंजना बलिहारी जाती कि इतना संवेदनशील पति मिला है। फिर भी रंजना को कुछ खाली खाली सा लगने लगा। अमन के चलते व्यस्तता तो बढ़ी थी लेकिन वह कुछ दिनों तक किताबों और पढ़ाई से दूर रहती तो मन उसे कचोटने लगता। वह कुछ पढ़ने या कुछ करने के लिए कुलबुलाने लगती। अगर किसी सहेली से कभी बात हो जाती तब तो वह छटपटाने लगती। उसकी कई सहेलियाँ नौकरी में लग चुकी थीं।

तो क्या रघु, रंजना के कुछ न कर पाने से गुस्सा था?

दो तीन साल की लुकाछिपी और बीच बीच की पढ़ाइयों के बाद रंजना की कोशिश रंग लाने लगी। मगर रंजना ने महसूस किया कि जब भी कोई फाइनल रिजल्ट आने वाला होता, रघु का व्यवहार बदल जाता। वह ताने मारने लगता, 'अब तो तुम दिल्ली से चली जाओगी।' 'दिन भर ए.सी. चलाई रहती हो, वहाँ कहाँ मिलेगा?' 'इतने दिन दिल्ली में रहने के बाद छोटे शहर में कैसे रहोगी?' 'अमन की पढ़ाई का क्या होगा?'

छोटी-छोटी बातों पर रूठ जाता। मुँह फुला लेता। बोलना बंद कर देता। गाँव में माल कहाँ मिलेगा? ए.सी. कहाँ मिलेगा? मेट्रो जैसा नजारा कहाँ होगा? बिजली भी नहीं रहेगी। वहाँ की सरकारी ऑफिसों में कूलर तक नहीं होता। कई-कई दिन बिजली ही गायब रहती है।

रंजना उसे समझाने की कोशिश करती, 'हम लोग खुद गाँव से आए हैं। तुम गाँव से पढ़कर इतनी बड़ी पोस्ट तक पहुँचे हो।'

रघु कुछ देर के लिए समझ जाता मगर जैसे ही किसी इंटरव्यू के लिए कॉल होती, वह बड़बड़ाने लगता। अजीब बात यह थी कि जब कहीं सेलेक्शन नहीं होता तो वह रंजना को अच्छे से समझाता। खूब दिलासे देता और अच्छा करने के लिए उत्साहित करता। और ज्यादा पढ़ने के लिए कहता।

तो क्या रघु, रंजना का सेलेक्शन न होने से गुस्सा था?

उस साल जनवरी में पी.सी.एस. का रिजल्ट आया। अंतिम सूची में रंजना का भी नाम था। ट्रेजरी ऑफिसर के लिए सेलेक्शन हो गया था। रघु भी खुश हुआ। रंजना को समझाता रहा, 'सँभाल के रहना वहाँ। लोगों से ज्यादा घुलना मिलना मत। अमन को बचाकर रखना।'

रंजना उसे टोकती, 'अभी तो रिजल्ट आया है। पता नहीं कब जाना होगा? कहाँ जाना होगा?' कहती कि कहीं दूर बस्ती, बहराइच जैसी जगहों पर होगा तब थोड़ी जाएगी। रघु आश्वस्त होने की कोशिश करता कि रंजना बिना उसकी सहमति और अनुमति के नहीं जाएगी। फिर भी वह रह-रहकर परेशान हो जाता। इस बीच उसने रंजना को हर तरह से खुश करने की कोशिश की। उसे खूब घुमाया, दिल्ली की हर जगह दिखा डाली, मॉल्स में लेकर गया, मल्टीप्लेक्स में फिल्में दिखाई, बाहर खाना खिलाया। जितना हो सकता था वह उसे दिल्ली की दुनिया में रमा देना चाहता था। वह रंजना को सीधे मना नहीं करना चाहता था। लेकिन मन ही मन चाहता था कि रंजना खुद रुक जाए।

एक दिन ऑफिस से लौटकर रघु ने कहा, 'राजीव फूफा के यहाँ चलना है। जल्दी से तैयार हो जाओ।' यह बहुत अप्रत्याशित बात थी। तीन साल से ज्यादा हो गए थे उनके घर गए। खुद रघु को उनके घर जाना पसंद नहीं था। 'राजीव फूफा के यहाँ तो तुम जाने से मना करते हो। कहते हो वे लोग हमेशा सरकारी नौकरी की गुणगान करते रहते हैं। बड़े लोग हैं। अपने बस का नहीं।'

रघु ने कुछ नहीं सुना, 'अब अपनी बीबी भी तो सरकारी अफसर बन गई है।' रंजना ने बात में छिपे तंज को गहराई से महसूस किया। वह उदास हो गई। कोई नया बखेड़ा नहीं चाहती थी। चुपचाप तैयार होकर दोनों निकल लिए।

वहाँ पहुँचकर रघु ने पुराना प्रसंग छेड़ दिया, 'बुआ, आप काशी हिंदू विश्वविद्यालय में पढ़ाती थीं न?'

शादी के समय रघु की बुआ बी.एच.यू. में लेक्चरर थीं। फूफा की नौकरी के चलते, उन्हें अपनी नौकरी छोड़नी पड़ी थी। बुआ उस पर ज्यादा बात नहीं करना चाहती थीं मगर रघु घूम फिर कर वही बात करता रहा। रंजना ने बुआ के मन की टीस को महसूस किया। पचपन के आसपास की थीं बुआ। घुटनों की बीमारी, मोटापे और शुगर से त्रस्त। रघु ने बुआ के 'त्याग' पर ज्यादा जोर दिया तो रंजना बिफर पड़ी, 'नौकरी करतीं तो इतनी चुप नहीं रहतीं। तुम क्या समझोगे उनका दर्द? क्या बनारस, गाजीपुर, बलिया, गोरखपुर के बच्चे आई.आई.एम. या एम.बी.बी.एस. नहीं कर पाते? खुद फूफाजी भी बी.एच.यू. से ही पढ़े हैं।'

तर्क से खाली होकर रघु ने ब्रह्मास्त्र फेंका जो हर पुरुष, स्त्री के लिए फेंकता है, 'तुमसे तो बहस करना ही बेकार है।'

तो क्या रघु, रंजना के नौकरी के फैसले से गुस्सा था?

रंजना के नौकरी ज्वाइन किए हुए चार महीने हो चुके थे। जुलाई का आखिरी हफ्ता था। मौसम में खूब उमस थी। रंजना से मिलने रघु जौनपुर गया हुआ था। उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल क्षेत्र का जिला था यह। बनारस से बिल्कुल सटा हुआ। बारिश के आसार नहीं दिख रहे थे। धरती तप रही थी। खेतों में दरारें आनी शुरू हो चुकी थीं। अमन के शरीर में जगह-जगह फोड़े फुंसियाँ निकली थीं। कहीं से मवाद निकल रहा था तो कहीं खून की लाली थी। पापा, पापा कहकर वह दौड़ा तो रघु ने उसे झिड़क दिया, 'क्या हाल बना रखा है? यही सब गंदगी नहीं मिल रही थी तुम्हें वहाँ?'

रंजना गुस्से से काँप उठी। एक महीने बाद रघु आया था। कितना इंतजार किया था उसने? ढेर सारी बातें करना चाह रही थी। ऑफिस की, लोगों की, पड़ोस की, दिल्ली वाले पड़ोसियों की। रघु ने उसकी ओर मुँह उठाकर देखा तक नहीं? अमन को दवा दिलाने चला गया। लौटकर फोड़े-फुंसियों की सेवा में लगा रहा। अमन इतने दिनों बाद पापा को पाकर खूब खुश था। रंजना चुपचाप सिसक रही थी। अंदर ही अंदर न जाने कितने फोड़ों की टीस उठ रही थी। लग रहा था पूरे बदन में फुंसियाँ ही फुंसियाँ हैं। रात में फुंसियों की जगह काँटे उग आए। करवट बदलते रात बीत गई। वह सोचती रही। गुनती रही। कुढ़ती रही। रघु ने पिछले चार महीनों में उसे बार-बार गुनहगार ठहराया था। अमन को खरोंच लग जाए, चोट लग जाए, बुखार हो जाए, दस्त लग जाए। हर बार उसे जिम्मेदार ठहराकर कुछ होने पर देख लेने की धमकी थमा देता। जैसे दिल्ली में अमन को कभी कुछ हुआ ही न हो। जैसे अमन के लिए अकेले वही जिम्मेदार है। रंजना को जलता हुआ छोड़कर लौट गया था रघु।

तो क्या अमन के बीमार होने से रघु गुस्सा हुआ?

धीरे-धीरे एक साल बीत गया। रघु का जौनपुर आना-जाना लगा रहता। कभी रघु संयत रहता तो कभी कुछ देखकर भड़क उठता। इस बार रंजना का चेहरा देखकर मुस्कुराया, 'अपना चेहरा देखा है आइने में काली माई? कैसी थी? क्या हो गई हो?' यह तिरछी मुस्कुराहट थी। किसी को उसकी औकात बताने के लिए मुस्कुराया जाता है, वैसी।

तिरछेपन को महसूस करते हुए भी रंजना ने हँसने की कोशिश की, 'शादी के समय वाली रंजना को भूल गए? तुम्हीं तो कालीमाई दियासलाई कहकर चिढ़ाते थे। अब गोरी चिट्टी रखकर मुझे क्या ड्राइंग रूम में सजाओगे?'

ऐसे हल्के-फुल्के क्षण बड़ी जल्दी बीत जाते। अमन की तबियत खराब थी। बुखार उतर ही नहीं रहा था। रघु को फिर मौका मिल गया। वह फिर से उसी खोल में घुस गया, 'अब तो सोच लो। न जाने कौन सा भूत सवार है तुम पर। जब तक कुछ बुरा नहीं होगा तब तक नहीं मानोगे तुम लोग।'

अब रंजना चुप न रह सकी। वह शेरनी की तरह झपट पड़ी, 'इस तरह क्यों कोसते हो? मेरी गलती क्या है? तुम्हीं तो नौकरी करने के लिए कहते थे? बहाने छोड़ो सीधे-सीधे बोलो चाहते क्या हो?'

यह रूप देखकर रघु हड़बड़ा गया। उसे खुद नहीं पता था कि वह चाहता क्या है? सीधे कहे भी क्या? कैसे कहे कि रंजना नौकरी छोड़ दे? कैसे कहे कि रंजना पत्नी बनकर उसका घर सँभाले? उसकी देखभाल करे। खाना बनाए। कपड़े धोए। उसके पैर दबाए। मालिश करे। वह हकलाने लगा, 'मैं, मैं, मैं क्या चाहता हूँ। तुम्हीं लोगों की खातिर कह रहा था। मुझे क्या है?'

रंजना आरपार के मूड में थी, 'हमारी चिंता के लिए ताने मारते हो? इतनी ही चिंता है तो एक काम करो, जितनी मुझे तनख्वाह मिलती है, उतने रुपये मुझे हर महीने दे दिया करो।'

रघु ने मौके को किसी योद्धा की तरह लपका, 'मैं कमाता हूँ तुम्हीं लोगों के लिए तो। इसमें मेरा तेरा की बात कहाँ से आ गई?'

मगर रंजना आज फँसने वाली नहीं थी, 'वही तो, अपने उन्हीं पैसों में से ही तनख्वाह माँग रही हूँ। तुम्हें क्या दिक्कत है?'

दही में मथानी की तरह रघु बात को घूमाने लगा, 'क्या करोगी अलग से पैसे लेकर?' दरअसल वह चाहता था कि जो कुछ अंदरूनी बात हो वह बाहर आ जाए।

रंजना वैसे ही शांत थी, 'कुछ भी करूँ? बस मुझे अलग से निकालकर दे दिया करो। मेरे अकाउंट में।'

रघु अभी दही को बिलो रहा था, 'मुझसे छिपाकर खर्च करोगी? मैं पूछ नहीं सकता?'

रंजना मुँह बिचकाते हुए बोली, 'ऐसी कोई बात नहीं है। क्या अपनी तनख्वाह मैं चोरी से खर्च करती हूँ? तुम पूछते नहीं तब भी मैं तुम्हें बताती हूँ, तुमसे पूछती हूँ।'

रघु एकटक देखता रहा। बात घुमाने से भी कुछ नहीं निकला। रंजना पास बैठी थी। वह बात को शांत करने लगी, 'आज मेरे अकाउंट में भी कुछ पूँजी जमा है। वह क्या सिर्फ मेरी है? क्या बिना बताए मैं कुछ करती हूँ? लेकिन मुझे अच्छा लगता है। मेरी खुशी की खातिर ही दे दो।'

रघु का दिमाग झनझना गया। कुछ बहुत बुरा बोलना चाहता था पर इतना ही कहा, 'तो साफ-साफ कहो न कि मुझे पैसे जमा करने हैं। कुछ हासिल करना है। कॅरियर बनाना है।'

रंजना का गुस्सा छँट गया था। उसकी ममता उफान मारने लगी। शाम को रघु को वापस लौटना था। उसने धीरे से कहा, 'तो इसमें गलत क्या है रघु? यह सब भी तो मैं तुम्हारी पत्नी बनकर ही कर रही हूँ।' रघु के सिर में हथौड़े चल रहे थे। बरसों से सँजोया मन का शीशा चिटक गया था। वह पूछना चाहता था कि पत्नी का मतलब भी उसे पता है? मगर पूछ नहीं सका। जो मतलब उसे पता था वह भी कहाँ ठीक था? फिर दोनों में कोई बात नहीं हुई। गुस्से में ही वह शाम की ट्रेन से निकल गया। सुबह ऑफिस पहुँचा तब भी मूड खराब था। मन में कई-कई दरारें थीं। यह वही सुबह थी जब सेक्रेटरी ने टारगेट पूरी होने की खुशी में पार्टी की बात कही तो रघु बौखला गया। मचलती हुई सारिका के चेहरे में उसे किसी और का अक्स दिखलाई पड़ा। उसका सिर घूम गया। सारिका को गालियाँ देता हुआ केबिन से 'गेट आउट' कहकर भगा दिया। दोनों हाथों में सिर थाम रिवॉल्विंग चेयर पर बैठ गया। उसे लग रहा था उसकी चेयर अपनी पूरी गति से घूम रही है। वह अपनी नजरें कहीं स्थिर नहीं कर पा रहा है।

रघु को खुद नहीं पता वह इतना गुस्सा क्यों है?

– 'हिन्दी समय' से साभार

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

संभावना के बीज

सीताफल की पिछले कुछ दिनों से बाज़ार में भारी आवक है। सोसायटी की सीढ़ियाँ उतरते हुए देखता हूँ कि बच्चे सीताफल खा रहे हैं। फल के बीज निकालकर करीने से एक तरफ़ रख रहे हैं। फिर सारे बीज एक साथ उठाकर डस्टबिन में डाल दिए। स्वच्छता और सामाजिक अनुशासन की दृष्टि से यह उचित भी है।

यहीं से चिंतन जन्मा। सोचने लगा, हर बीज के पेट में एक पौधा है, पौधे का बीज फेंका जा रहा है। फ्लैट में रहने की विवशता कितना कुछ नष्ट कराती है।

सर्वाधिक दुखद होता है संभावनाओं का नष्ट होना। वस्तुत: संभावना की हत्या महा पाप है। हर संभावना को अवसर मिलना चाहिए। पनपना, न पनपना उसके प्रारब्ध और प्रयास पर निर्भर करता है।

चिंतन बीज से मनुष्य तक पहुँचा। सही ज़मीन न मिलने पर जैसे बीज विकसित नहीं हो पाता, कुछ उसी तरह अपने क्षेत्र में काम करने का अवसर न पाना, संभावना का नष्ट होना है। साँस लेने और जीने में अंतर है। अपनी लघुकथा 'निश्चय' के संदर्भ से बात आगे बढ़ाता हूँ। कथा कुछ यूँ है,

उसे ऊँची कूद में भाग लेना था पर परिस्थितियों ने लम्बी छलांग की कतार में लगा दिया। लम्बी छलांग का इच्छुक भाला फेंक रहा था। भालाफेंक को जीवन माननेवाला सौ मीटर की दौड़ में हिस्सा ले रहा था। सौ मीटर का धावक, तीरंदाजी में हाथ आजमा रहा था। आँखों में तीरंदाजी के स्वप्न संजोने वाला तैराकी में उतरा हुआ था। तैरने में मछली-सा निपुण मैराथन दौड़ रहा था।

जीवन के ओलिम्पिक में खिलाड़ियों की भरमार है पर उत्कर्ष तक पहुँचने वालों की संख्या नगण्य है। मैदान यहीं, खेल यहीं, खिलाड़ी यहीं दर्शक यहीं, पर मैदान मानो निष्प्राण है।

एकाएक मैराथन वाला सारे बंधन तोड़कर तैरने लगा। तैराक की आँख में अर्जुन उतर आया, तीर साधने लगा। तीरंदाज के पैर हवा से बातें करने लगे। धावक अब तक जितना दौड़ा नहीं था उससे अधिक दूरी तक भाला फेंकने लगा। भालाफेंक का मारा भाला को पटक कर लम्बी छलांग लगाने लगा। लम्बी छलांग वाला बुलंद हौसले से ऊँचा और ऊँचा, बहुत ऊँचा कूदने लगा।

दर्शकों के उत्साह से मैदान गुंजायमान हो उठा। उदासीनता की जगह उत्साह का सागर उमड़ने लगा। वही मैदान, वही खेल, वे ही दर्शक पर खिलाड़ी क्या बदले, मैदान में प्राण लौट आए।

अँग्रेज़ी की एक कहावत है, 'यू गेट लाइफ वन्स। लिव इट राइट। वन्स इज़ इनफ़।' जीवन को सही जीना अर्थात अपनी संभावना को समझना, सहेजना और श्रमपूर्वक उस पर काम करना।

स्मरण रहे, आप जीवन के जिस भी मोड़ पर हों, जीने की संभावना हमेशा बनी रहती है।

बोध कथा

बहरे मेंडक की कहानी

एक तालाब में बहुत सारे मेंढक रहते थे। उस तालाब के ठीक बीचोंबीच एक बडा-सा लोहे का खम्बा वहां के राजा ने लगवाया हुआ था। एक दिन तालाब के मेंढको ने निश्चय किया कि क्यों ना इस खम्भे पर चढ़ने के लिए रेस लगाई जाये, जो भी इस खंभे पर चढ़ जायेगा, उसको प्रतियोगिता का विजेता माना जायेगा।

रेस का दिन निश्चित किया गया। कुछ दिनों बाद रेस का दिन आ गया। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए वहां कई मेढ़क एकत्रित हुए, पास के तालाब से भी कई मेंढ़क रेस में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे हुए थे, और प्रतियोगिता को देखने के लिए भी बहुत सारे मेंढ़क वहां एकत्रित हुए। रेस का आरंभ हुआ, चारों ओर शोर ही शोर था। सब उस लोहे के बड़े से खम्भे को देख कर कहने लगे अरे इस पर चढ़ना नामुमकिन है इसे तो कोई भी नहीं कर पायेगा। इस खम्भे पर तो चढ़ा ही नहीं जा सकता। कभी कोई यह रेस पूरी नहीं कर पाएगा, और ऐसा हो भी रहा था, जो भी मेढ़क खम्भे पर चढ़ने का प्रयास करता, वो खम्भे के चिकने एवं काफी ऊँचा होने के कारण थोड़ा सा ऊपर जाकर नीचे गिर जाता। बार बार कोशिश करने के बाद भी कोई ऊपर खम्भे पर नहीं पहुँच पा रहा था।

अब तक काफी मेंढ़क हार मान गए थे, और कई मेंढ़क गिरने के बाद भी अपनी कोशिश जारी रखे हुए थे। इसके साथ-साथ अभी भी रेस देखने आए मेंढक जोर-जोर से चिल्लाए जा रहे थे अरे यह नहीं हो सकता।

यह असंभव है कोई इतने ऊँचे खम्भे पर चढ़ ही नहीं सकता। आदि, और ऐसा बार बार सुन सुन कर काफी मेंढक हार मान बैठे और उन्होंने भी प्रयास करना छोड़ दिया। और अब वो भी उन मेंढको का साथ देने लगे जो जोर-जोर से चिल्लाने लगे। लेकिन उन्ही मे से एक छोटा मेंढक लगातार कोशिश करने के कारण खम्भे पर जा पंहुचा, हालाँकि वो भी काफी बार गिरा, उठा, प्रयास किया तब कही जाकर वो सफलता पूर्वक खम्भे पर पहुंचा।

और रेस का विजेता घोषित किया गया। उसको विजेता देखकर, मेढ़को ने उसकी सफलता का कारण पूछा की यह असंभव कार्य तुमने कैसे किया, यह तो नामुमकिन था, यहाँ सफलता कैसे प्राप्त की, कृपया हमे भी बताए। तभी पीछे से एक मेंढ़क की आवाज़ आयी अरे उससे क्या पूछते हो वो तो बहरा है।

फिर भी मेढको ने विजेता मेंढक से पता करने के लिए एक ऐसे मेढक की मदद ली, जो उसकी सफलता का कारण जान सके, विजेता मेंढक ने बताया की मैं बहरा हूँ। मुझे सुनाई नही देता, लेकिन जब आप लोग जोर-जोर से चिल्ला रहे थे, तो मुझे लगा जैसे आप मुझसे कह रहे हो की यह तुम कर सकते हो, यह तुम्हारे लिए मुमकिन है इन्ही शब्दों ने मुझे सफलता दिलाई है।

कहानी से शिक्षा

तो दोस्तों, यह थी मेंढको की कहानी, लेकिन यह कहानी काफी हमारी जिंदगी से भी मिलती जुलती है, क्योंकि हम बाहर दुनिया की सुनते है जो हमेशा हमसे कहती है की तुम यह नही कर सकते, सफल नही हो सकते, तुम्हारे बस की बात नही है आदि, क्योंकि हमारे अंदर सफलता पाने की क्षमता होती है और हम पा भी सकते है, लेकिन दुसरो की बातों में आ कर अपने लक्ष्य को पाने से चुक जाते है, जिसके कारण हम एक औसत जीवन जीते है। इसलिए आज से हमे उन सभी दृश्य एवं लोगो के प्रति अंधे एवं बहरे हो जाना चाहिए, जो हमे हमारे लक्ष्य से भटकाते है। ऐसा करने से आपको आपकी मंज़िल पाने से कोई नही रोक सकता।

वीर गाथा

एसपीओ अब्दुल की सूझबूझ को सलाम, घर में बैठे आतंकवादियों का करवाया खात्मा

विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) अब्दुल लतीफ़ का जन्म जम्मू-कश्मीर के रियासी में हुआ था। माता ज़ुलेखा बेगम और पिता अलम दीन के बेटे अब्दुल लतीफ़ ने आतंकवादियों के खिलाफ कई अभियानों में वीरता का प्रदर्शन किया है।

4 सितंबर, 2023 को सुबह लगभग पौने छह बजे दो हथियारबंद आतंकवादी खाना और मदद मांगने के लिए उनके घर पहुंचे थे। उस समय अब्दुल लतीफ़ के पास कोई हथियार नहीं था। ऐसे में उनसे तुरंत टकराना उचित नहीं था। उन्होंने बहुत सूझबूझ से काम लिया और आतंकवादियों को जाल में फंसाने के लिए कहा कि मैं भी 'ओवर ग्राउंड वर्कर' हूं।

इससे आतंकवादियों को भरोसा हो गया था। वे खुद को सुरक्षित महसूस करने लगे थे। इसके बाद अब्दुल लतीफ़ ने अपने परिवार को सुरक्षित जगह पर पहुंचाया। उन्होंने देखा कि आतंकवादियों ने अपना 'सामान' रख दिया और बेफिक्र होकर आराम करने लगे थे।

अब्दुल लतीफ़ ने उनसे कहा, 'मैं आपके लिए खाने-पीने का सामान लेने जा रहा हूं। आप थोड़ा आराम करें।' इसके बाद उन्होंने घर के सभी दरवाजों को बंद किया और नजदीकी पोस्ट को सूचना दे दी।

इस दौरान अब्दुल लतीफ़ ने अपने भाई को सावधान करते हुए कहा था कि वे आतंकवादियों पर नजर रखें। कुछ ही समय में सुरक्षा बलों के वाहन आ गए। उन्होंने पूरे इलाके को घेर लिया था। अब्दुल लतीफ़ अपने साथी जवानों को उस जगह लेकर गए, जहां आतंकवादी 'आराम' कर रहे थे। जवानों ने धावा बोला और उनका खात्मा कर दिया।

अब्दुल लतीफ़ ने खतरे का सामना करते हुए जिस तरह सूझबूझ और साहस का परिचय दिया, वह अद्भुत है। भारत मां के ऐसे देशभक्त बेटे पर सबको गर्व है। विशेष पुलिस अधिकारी अब्दुल लतीफ़ को 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।

– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हिंद-प्रशांत क्षेत्र को दबाव से मुक्त होना चाहिए, सामूहिक सुरक्षा हर देश की संप्रभुता की कुंजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भविष्य की सुरक्षा केवल सैन्य क्षमताओं पर निर्भर नहीं करेगी, बल्कि साझा संसाधनों के प्रबंधन, डिजिटल एवं भौतिक बुनियादी ढांचे की सुरक्षा और मानवीय संकटों के प्रति सामूहिक प्रतिक्रिया पर भी निर्भर करेगी।

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि हिंद प्रशांत क्षेत्र में कानून के शासन और नौवहन की स्वतंत्रता पर भारत का जोर किसी देश के खिलाफ नहीं है, बल्कि सभी हितधारकों के हितों की रक्षा के लिए है। राजनाथ की यह टिप्पणी हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामक सैन्य गतिविधियों को लेकर वैश्विक स्तर पर बढ़ती चिंताओं की पृष्ठभूमि में आई है।

कुआलालंपुर में आसियान के सदस्य देशों और समूह के वार्ता साझेदारों के रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए राजनाथ ने कहा कि भारत का मानना है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र खुला, समावेशी और किसी भी तरह के दबाव से मुक्त होना चाहिए। उन्होंने क्षेत्र के प्रत्येक राष्ट्र की संप्रभुता सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक सुरक्षा का दृष्टिकोण अपनाने पर जोर दिया।

राजनाथ ने कहा, कानून के शासन पर भारत का जोर, खास तौर पर संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि (यूएनसीएलओएस) के पालन और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में नौवहन एवं उड़ान की स्वतंत्रता की उसकी वकालत, किसी देश के खिलाफ नहीं है, बल्कि सभी क्षेत्रीय हितधारकों के सामूहिक हितों की रक्षा के लिए है। उन्होंने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है, जब आसियान के कई सदस्य और लोकतांत्रिक देश विवादित दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों के बीच यूएनसीएलओएस के लगातार पालन की मांग कर रहे हैं।

आसियान रक्षा मंत्रियों के मीटिंग प्लस (एडीएमएम-प्लस) सम्मेलन को संबोधित करते हुए राजनाथ ने कहा कि दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान) के साथ भारत के रणनीतिक संबंध लेन-देन की प्रवृत्ति के नहीं हैं, बल्कि दीर्घकालिक और सिद्धांत-आधारित हैं तथा इस साझा विश्वास पर केंद्रित हैं कि क्षेत्र को खुला, समावेशी एवं दबाव मुक्त होना चाहिए। उन्होंने कहा, भविष्य की सुरक्षा केवल सैन्य क्षमताओं पर निर्भर नहीं करेगी, बल्कि साझा संसाधनों के प्रबंधन, डिजिटल एवं भौतिक बुनियादी ढांचे की सुरक्षा और मानवीय संकटों के प्रति सामूहिक प्रतिक्रिया पर भी निर्भर करेगी।

रक्षा मंत्री ने कहा कि एडीएमएम-प्लस सम्मेलन रणनीतिक संवाद को व्यावहारिक परिणामों से जोड़ने और क्षेत्र को शांति एवं साझा समृद्धि की ओर ले जाने वाला सेतु बन सकता है। उन्होंने कहा, भारत इस ढांचे में अपनी भूमिका को साझेदारी और सहयोग की भावना के नजरिये से देखता है। हमारा दृष्टिकोण लेन-देन वाला नहीं, बल्कि दीर्घकालिक और सिद्धांत-आधारित है।

राजनाथ ने कहा, हमारा मानना है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र खुला, समावेशी और किसी भी तरह के दबाव से मुक्त होना चाहिए।

कर्नाटक राज्योत्सव

हुबली में शनिवार को कर्नाटक राज्योत्सव की धूम देखने को मिली।

हर महिला को आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाने के लिए काम कर रहा ओडिशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि राज्य की प्रत्येक महिला आर्थिक रूप से स्वतंत्र, आत्मनिर्भर और उद्यमिता के लिए सक्षम बने।

यहां 'सुभद्रा शक्ति मेला' के दूसरे संस्करण का उद्घाटन करते हुए माझी ने कहा कि यह मेला, जो 12 नवंबर तक चलेगा, सुभद्रा योजना के तहत महिला सशक्तिकरण और उद्यमिता को प्रदर्शित करने का एक मंच है। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य 2036 तक एक समृद्ध ओडिशा बनाना और 2047 तक इसे विकसित भारत का विकास इंजन बनाना है। यह लक्ष्य तभी पूरा होगा जब हमारी लाखों सुभद्रा माताओं की शक्ति जागृत होगी। वे सशक्त होंगी और विकास के हर क्षेत्र में उनका बहुमूल्य योगदान होगा। उन्होंने कहा कि सुभद्रा योजना इस लक्ष्य को प्राप्त करने का एक अनूठा मॉडल है। माझी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रमुख योजना लखपति दीदी योजना के तहत ओडिशा ने बहुत ही कम समय में 17 लाख लखपति दीदियां बनाकर अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य 2027 तक 25 लाख लखपति दीदियां बनाना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, हमने स्वयं सहायता समूहों की निधि को दोगुना कर दिया है। हमने ग्राम पंचायत स्तर के संघों के लिए सामुदायिक निवेश निधि को 35 लाख रुपये से बढ़ाकर 60 लाख रुपये कर दिया है।'' उन्होंने कहा कि इसके साथ ही, बैंक ऋणों पर ब्याज वापसी की सुविधा भी प्रदान की गई है।

इस बीच, ओडिशा सरकार ने शनिवार को सुभद्रा योजना के तहत नये आवेदन प्राप्त करना शुरू कर दिया। यह राज्य सरकार की महिला-केंद्रित महत्वाकांक्षी योजना है।

उपमुख्यमंत्री प्रवती परिदा ने यहां बताया कि एक अप्रैल को 21 वर्ष की आयु प्राप्त करने वाली महिलाएं अब इस योजना के लिए पात्र हैं। उन्होंने बताया कि 21 वर्ष से अधिक और 60 वर्ष से कम आयु की पात्र महिलाएं भी इस योजना के लिए आवेदन कर सकती हैं।

व्यापार समझौते पर ट्रंप, शी के सहमत होने के बाद एपेक शिखर सम्मेलन समाप्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

'एपेक' नेताओं ने एक संयुक्त बयान जारी किया, जिसमें दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं, अमेरिका और चीन के बीच व्यापार तनाव से बुरी तरह प्रभावित वैश्विक अर्थव्यवस्था की साझा चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक सहयोग करने का वादा किया गया।

ग्योंगजू (दक्षिण कोरिया)/एपी। व्यापार युद्ध पर अस्थायी विराम लगाने को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच सहमति बनने के कुछ दिन बाद, एशिया और प्रशांत क्षेत्र के 21 देशों के नेताओं ने क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग पर जोर देने वाले एक बयान के साथ शनिवार को अपने वार्षिक आर्थिक शिखर सम्मेलन का समापन किया। दक्षिण कोरियाई शहर ग्योंगजू में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन के दो दिनों के बाद एपेक' नेताओं ने एक संयुक्त बयान जारी किया, जिसमें दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं, अमेरिका और चीन के बीच व्यापार तनाव से बुरी तरह प्रभावित वैश्विक अर्थव्यवस्था की साझा चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक सहयोग करने का वादा किया गया।

एशियाई और प्रशांत क्षेत्र के 21 देशों के नेताओं ने आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने और साझा चुनौतियों से निपटने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए शुक्रवार को अपना वार्षिक शिखर सम्मेलन शुरू किया था। इससे एक दिन पहले ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने व्यापार के मामले में बढ़ते तनाव को कम करने के लिए कदम उठाने पर सहमति जताई थी। इस वर्ष दक्षिण कोरियाई शहर ग्योंगजू में आयोजित दो-दिवसीय एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन पर ट्रंप-शी बैठक का काफी प्रभाव पड़ा है।

ट्रंप ने बृहस्पतिवार को चिनफिंग के साथ हुई आमने-सामने की मुलाकात को बेहद सफल बताते हुए कहा था कि वह चीन पर लगाए गए शुल्क (टैरिफ) में कटौती करेंगे, जबकि बीजिंग ने दुर्लभ धातुओं के निर्यात की अनुमति देने और अमेरिका से सोयाबीन खरीदने पर सहमति जतायी है। ट्रंप एवं चिनफिंग के बीच बनी सहमति वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए राहत की बात है। विशेषज्ञों ने पहले ही चेतावनी दी थी कि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार संबंधी तनाव को कम करने में विफलता से वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं और बढ़ेंगी।

ट्रंप, शी चिनफिंग के साथ समझौते करने के तुरंत बाद दक्षिण कोरिया से चले गए थे। बढ़ते वैश्वीकरण के दौर में 1989 में स्थापित एपेक वैश्विक व्यापार के आधे से अधिक हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है। यह मंच क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण में तेजी लाने के लिए मुक्त एवं खुले व्यापार और निवेश का समर्थन करता है। एपेक के संयुक्त वक्तव्य में घोषणा की गई कि एपेक नेता स्वीकार करते हैं कि वैश्विक व्यापार प्रणाली अब भी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है''।

समर्पित मालवाहक गलियारे का रेल परिचालन 2024-25 में 48 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली/भाषा। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) ने वित्त वर्ष 2024-25 में मालगाड़ियों के परिचालन में 48 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। रेलवे बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और चेयरमैन सतीश कुमार ने शुक्रवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में डीएफसीसीआईएल के 20वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान यह बात कही। डीएफसीसीआईएल लगभग 2,750 किलोमीटर लंबे पूर्वी और पश्चिमी गलियारों का प्रबंधन करती है। निगम ने बताया कि पिछले वित्त वर्ष में उसने प्रतिदिन औसतन 381 से अधिक मालगाड़ियों का परिचालन किया, जो इसकी परिचालन दक्षता को दर्शाता है।

डीएफसीसीआईएल के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि भारत की कुल लॉजिस्टिक लागत लगभग 24 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है और निगम के परिवर्तनकारी प्रभाव ने लॉजिस्टिक लागत को सकल घरेलू उत्पाद के 14 प्रतिशत से घटाकर लगभग 8-9 प्रतिशत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। डीएफसीसीआईएल ने एक बयान में कहा, ''समीक्षाधीन अवधि में कुल 1,39,302 ट्रेनों का सफलतापूर्वक संचालन किया गया, जो संगठन की बढ़ती विश्वसनीयता और परिचालन क्षमता का प्रमाण है।'' डीएफसीसीआईएल मार्ग पर देश की सबसे लंबी मालगाड़ी रुद्रराष्ट्र है, जिसकी लंबाई 4.5 किलोमीटर है और जिसमें 354 वैगन और सात लोकोमोटिव हैं।

दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र नियमित जांच के लिए अस्पताल में भर्ती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र को नियमित स्वास्थ्य जांच के लिए मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह जानकारी उनके परिवार के एक सदस्य ने शनिवार को दी। इस सप्ताह की शुरुआत में 89-वर्षीय अभिनेता को दक्षिण मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया। एक आंतरिक सूत्र ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, वह 'बृहस्पतिवार' को अस्पताल गए थे। चूंकि नतीजों में कुछ समय लगेगा, इसलिए परिवार ने फैसला किया कि सभी नियमित जांच ठीक से पूरी होने तक उनके लिए वहीं रहना बेहतर होगा। वह बुजुर्ग हैं और उन्हें चिकित्सकों से उचित देखभाल की आवश्यकता है। चिंता की कोई बात नहीं है। इस साल अप्रैल में धर्मेंद्र की आंख की सर्जरी हुई थी। उस समय सिनेमा जगत के इस दिग्गज को मुंबई के एक अस्पताल से बाहर निकलते समय अपनी दाहिनी आंख पर पट्टी बांधे देखा गया था।

उन्होंने 'पपराज़ी' से भी बातचीत कर बताया कि वह अब भी बहुत मजबूत हैं। धर्मेंद्र ने कहा, अभी बहुत दम है, अब भी बहुत जान है... मेरी आंख में ग्राफ्ट हुआ है। दर्शकों को प्यार। मैं मजबूत हूं। जाने-माने अभिनेता की सबसे हालिया फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया थी, जिसमें उन्होंने शाहिद कपूर-कृति सेनन के साथ काम किया था। वह अगली बार फिल्म निर्माता श्रीराम राघवन की फिल्म इक्कीस में दिखाई देंगे। यह फिल्म परमवीर चक्र विजेता अरुण खेत्रपाल के जीवन पर आधारित है। दिसंबर में रिलीज होने वाली इस फिल्म में अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा और अक्षय कुमार की भतीजी सिमर भाटिया नजर आएंगी। धर्मेंद्र पारिवारिक-ड्रामा थ्रिलर मैंने प्यार किया फिर से में अभिनेता अरबाज खान के साथ भी नजर आएंगे।

पाकिस्तान के मंत्री का दावा

भारत के लिए 'जासूसी' कर रहे मछुआरे को गिरफ्तार किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने शनिवार को दावा किया कि देश के एक मछुआरे को भारत के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

इस्लामाबाद में संवाददाताओं से मुखातिब तरार ने कहा कि समुद्र में मछली पकड़ने वाले एजाज मल्लाह को पाकिस्तानी सेना, नौसेना और सिंध रेंजर्स की वर्दियां खरीदने तथा पाकिस्तानी मुद्रा, सिगरेट, माचिस, लाइटर व सिम कार्ड हासिल करने के लिए मजबूर किया गया था। उन्होंने कहा, सितंबर में जब मल्लाह मछली पकड़ने गया था, तो उसे भारतीय तट रक्षक ने गिरफ्तार कर लिया था।

तरार ने दावा किया कि मल्लाह से कहा गया कि उसे भारत के लिए जासूसी करने के एवज में छोड़ दिया जाएगा, जबकि इससे इनकार करने पर दो से तीन साल के जेल की सजा दी जाएगी। उन्होंने कहा, अंततः इस आम मछुआरे को रिहा कर दिया गया... और उसे कुछ चीजें खरीदने के लिए पाकिस्तान भेजा गया... जिसमें पाकिस्तानी नौसेना, पाकिस्तानी सेना और सिंध रेंजर्स की वर्दियां शामिल हैं।

तरार ने कहा कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियों ने मल्लाह पर उस समय नजर रखना शुरू कर दिया, जब उसने अपने आकाओं की ओर से मांगी गई वस्तुएं खरीदने की कोशिश की। उन्होंने दावा किया कि मल्लाह सभी सामान के साथ भारत जा रहा था, तभी पाकिस्तानी एजेंसियों ने उसे समुद्र में पकड़ लिया।

तरार ने आरोप लगाया कि यह घटनाक्रम पाकिस्तान के खिलाफ दुष्प्रचार युद्ध शुरू करने की भारतीय खुफिया एजेंसी की एक बड़ी योजना का हिस्सा था। उन्होंने कुछ वस्तुओं की तस्वीरें भी दिखाईं और दावा किया कि इन्हें मल्लाह के पास से बरामद किया गया था।

तरार ने मल्लाह के कथित इकबालिया बयान का वीडियो भी चलाया, जिसमें वह यह कहते सुनाई दे रहा है कि भारतीय एजेंसियों ने उसे समुद्र में मछली पकड़ते समय गिरफ्तार कर लिया था।

नेटफ्लिक्स ने वाईआरएफ के साथ साझेदारी की

'डीडीएलजे', 'वीर-जारा' और 'चांदनी' जैसी फिल्म दिखाई जाएंगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। नेटफ्लिक्स ने शनिवार को यशराज फिल्म्स (वाईआरएफ) के साथ सहयोग की घोषणा की, ताकि स्टूडियो की मशहूर फिल्मों का चयन दुनिया भर के दर्शकों तक पहुंचाया जा सके। इस साझेदारी के तहत, वाईआरएफ फिल्मों की एक चयनित श्रृंखला विशेष अवसरों, त्योहारों और सिनेमाई उपलब्धियों को चिह्नित करने के लिए विभिन्न चरणों में जारी की जाएगी, जिससे 190 से अधिक देशों के प्रशंसक स्टूडियो के प्रसिद्ध सिनेमा का आनंद ले सकेंगे। अभिनेता शाहरुख खान के 60वें जन्मदिन के अवसर पर उनकी नौ यादगार फिल्में शनिवार से प्रसारित की जाएंगी। जिनमें 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'मोहब्बतें', दिल तो पागल है', 'वीर-जारा' और 'चक दे! इंडिया' शामिल हैं। इसी तरह, सलमान खान की तीन ब्लॉकबस्टर फिल्में - 'एक था टाइगर', 'सुल्तान' और 'टाइगर जिंदा है' - 27 दिसंबर से उपलब्ध होंगी, जिस दिन उनका 60वां जन्मदिन है। चौदह नवंबर से, दर्शक 'चांदनी', 'कभी-कभी', 'विजय', 'लम्हे' और 'सिलसिला' जैसी वाईआरएफ फिल्मों को फिर से देख सकते हैं। अभिनेता रणवीर सिंह की चर्चित फिल्म - 'बैंड बाजा बारात', 'लेडीज वर्सेज रिकी बहल', 'किल दिल', 'बेफिक्रे' और 'गुंडे' 5 दिसंबर से दिखाई जाएंगी। इसके साथ ही 'बंटी और बबली', 'हम तुम', 'थोड़ा प्यार थोड़ा मैजिक', 'मुझसे दोस्ती करोगे' और 'ता रा रम पम' सहित 34 अन्य फिल्म 12 से 28 दिसंबर के बीच प्रसारित की जाएंगी, जिनमें रोजाना दो नई फिल्म दिखाई जाएंगी। यह उत्सव 2026 तक जारी रहेगा, जिसकी शुरुआत 28 नवंबर से 'धूम' और 22 जनवरी से 'मर्दानी' सीरीज से होगी। 'साथिया', 'इशकजादे', 'बचना ऐ हसीनो' और 'सलाम नमस्ते' जैसी रोमांटिक पसंदीदा फिल्मों वाला एक विशेष वैलेंटाइन वीक कलेक्शन सात फरवरी को रिलीज होगा।

यशराज फिल्म्स के सीईओ अक्षय विधानी ने कहा, 50 से अधिक वर्षों से, यशराज फिल्म्स को अपनी प्रतिष्ठित कहानियों के माध्यम से भारतीय सिनेमा के दिल और आत्मा को आकार देने में मदद करने का सौभाग्य मिला है।'' उन्होंने कहा, ''इस उल्लेखनीय सिनेमाई विरासत को नेटफ्लिक्स पर लाने से दुनिया को भारत और भारतीय सिनेमा के रंग, संगीत और जादू का अनुभव करने का अवसर मिलेगा, जिसका वाईआरएफ ने हमेशा जश्न मनाया है।'' नेटफ्लिक्स इंडिया की कंटेंट उपाध्यक्ष मोनिका शेरगिल ने कहा कि यह सहयोग नेटफ्लिक्स पर भारतीय सिनेमा के लिए ''एक मील का पत्थर'' है।

रोहन बोपन्ना ने पेशेवर टेनिस को अलविदा कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के अनुभवी टेनिस खिलाड़ी और दो बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन रोहन बोपन्ना ने शनिवार को पेशेवर टेनिस को अलविदा कह दिया जिससे एटीपी टूर पर उनके दो दशक से अधिक के कैरियर पर विराम लग गया। 45 वर्ष के बोपन्ना ने आखिरी बार इस सप्ताह पेरिस मास्टर्स में खेला जिसमे वह कजाखस्तान के अलेक्जेंडर बुबलिक के साथ पहले दौर में हार गए। कर्नाटक के कूर्ग के रहने वाले बोपन्ना ने 'अलविदा ..लेकिन अंत नहीं ' शीर्षक से अपने भावुक बयान में लिखा, ''आधिकारिक रूप से खेल से विदा ले रहा हूं।'' उन्होंने आगे लिखा, ''आप उस चीज से विदा कैसे ले सकते हैं जिसने आपकी जिंदगी को मायने दिये। टूर पर बीस यादगार वर्ष बिताने के बाद अब विदा लेने का समय है।''

उन्होंने लिखा, ''भारत के छोटे से शहर कूर्ग से सफर की शुरुआत करने से लेकर, सर्विस दमदार बनाने के लिये लकड़ी के टुकड़े कांटने, स्टेमिना बढाने के लिये कॉफी के बागानों के बीच से जॉगिंग करने से लेकर दुनिया के सबसे बड़े कोर्ट पर दूधिया रोशनी में अपने सपनों को पूरा करने तक। सब सपने जैसा लगता है।'' बोपन्ना ने पेरिस ओलंपिक के बाद अंतरराष्ट्रीय कैरियर से संन्यास ले लिया था। उन्होंने 2023 में डेविस कप से विदा ली थी और आखिरी बार लखनऊ में मोरक्को के खिलाफ खेला था। युगल विशेषज्ञ बोपन्ना ने 22 साल तक खेलने के बाद टेनिस को खेल से अधिक करार देते हुए कहा कि चुनौतीपूर्ण क्षणों में यह उनके लिये शक्ति, विश्वास और ध्येय का स्रोत रहा।

उन्होंने लिखा, ''हर बार जब मैं कोर्ट पर उतरता था, तो इसने मुझे हिम्मत और फिर से लड़ने की सीख दी जब मेरे अंदर से आवाज आती थी कि मैं नहीं कर सकता और सबसे बढ़कर इसने मुझे याद दिलाया कि मैंने क्यों शुरू किया था और मैं कौन हूं।'' बोपन्ना ने अपने परिवार को भी धन्यवाद दिया। उन्होंने अपने माता पिता को उनके बलिदानों के लिए, बहन रश्मि को लगातार हौसला अफजाई के लिये और पत्नी सुप्रिया को कोर्ट के बाहर सबसे अच्छी जोड़ीदार साबित होने के लिये धन्यवाद कहा। उन्होंने अपनी बेटी त्रिधा के लिये लिखा कि उसने उन्हें नया मकसद और ताकत दी है।उन्होंने कहा, पिछले कुछ साल में मैने जितने भी मैच खेले, सब तुम्हारे लिये थे। तुम्हे दिखाने के लिये कि सपने सच करने के लिये लड़ना चाहिये और जीत से ज्यादा विनम्रता और साहस मायने रखता है।''

बोपन्ना 2000 के दशक की शुरुआत में पेशेवर खिलाड़ी बने और भारत के सबसे सफल युगल खिलाड़ियों में से एक बन गए। वह अपनी दमदार सर्व और एटीपी टूर पर लंबे समय तक टिके रहने के लिए जाने जाते थे। अपने कैरियर के दौरान उन्होंने कई डेविस कप मुकाबलों, ग्रैंड स्लैम और ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने कनाडा की गैब्रिएला डाब्रोवस्की के साथ 2017 में फ्रेंच ओपन मिश्रित युगल खिताब जीता जो उनका पहला ग्रैंडस्लैम था। इसके बाद 2024 आस्ट्रेलियाई ओपन में मैथ्यू एबडेन के साथ पुरुष युगल खिताब जीता। उन्होंने 2023 में एबडेन के साथ इंडियन वेल्स खिताब जीता तो 43 वर्ष की उम्र में सबसे उम्रदराज एटीपी मास्टर्स चैम्पियन बने। वह 2024 में सबसे उम्रदराज युगल नंबर एक खिलाड़ी भी बने।

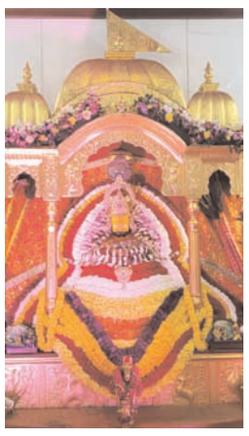

बाबा श्याम के पाटोत्सव पर बेंगलूरु श्याम मंदिर में उमड़े श्रद्धालु, निशान अर्पण किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कार्तिक देवउठनी एकादशी के मौके पर शनिवार को खाटू वाले श्याम बाबा का पाटोत्सव धूमधाम से मनाया जाता है। इसी दिन श्रद्धालुओं द्वारा पाटोत्सव अर्थात जिस दिन बाबा के शीश की स्थापना खाटू मंदिर में हुई थी, उसी दिन को बाबा के जन्मोत्सव के रूप में भी मनाया जाता है। इसी श्रृंखला में शहर के बन्नरघट्टा रोड स्थित खाटू श्याम मंदिर में सुबह से ही भक्तों की भीड़ लगी रही। सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने इस मौके पर बाबा के मंदिर में निशान चढ़ाए तथा खुशहाली की कामना की। पाटोत्सव के मौके पर मंदिर में श्याम बाबा की प्रतिमा का बहुत ही मनोरम श्रृंगार किया गया जिसके श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर दर्शन किए तथा दरबार में अपनी हाजरी लगाई। पूरा मंदिर परिसर जय श्री श्याम' के जयघोष से गुंजायमान हो रहा था। मंदिर कमेटी के सभी ट्रस्टियों ने व्यवस्था संभाली। सायं 4 बजे से मंदिर प्रांगण में स्थानीय भजन गायकों ने भजनों की प्रस्तुति से बाबा श्याम को रिझाते हुए भक्ति की गंगा बहाई। शाम को मंदिर में केक का भोग अर्पण किया गया।

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन

रेलगाड़ी का 'ट्रायल रन' अगले साल तक हो सकता है : धामी

देहरादून/भाषा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को कहा कि उत्तराखंड के पहाड़ों में रेलगाड़ी का टिहरी जिले के ब्यासी तक का 'ट्रायल रन' अगले साल तक हो सकता है। धामी ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना का काम तेजी से जारी है और अगले साल तक ब्यासी या उसके नजदीक बनने वाले रेलवे स्टेशन तक रेलगाड़ी का 'ट्रायल रन' करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि रेल लाइन का 70 फीसदी काम पूरा हो चुका है। इस रेल परियोजना का शिलान्यास 2012 में किया गया था।

जीतो साउथ की जीतो ग्लोबल समिट और अंतर्राष्ट्रीय दौरा संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो साउथ के 30 सदस्यों ने बाली का अंतर्राष्ट्रीय दौरा पूरा किया तथा जीतो ग्लोबल समिट में शामिल हुए। इस समिट में 12 देशों के 500 सदस्यों ने भाग लिया। इस समिट में नेटवर्किंग, वैश्विक संबंधों को बढ़ावा देने का और नए अवसरों को ढूंढने का अवसर प्राप्त हुआ। इस ग्लोबल समिट का नेतृत्व जीतो अंतर्राष्ट्रीय विंग के चेयरमैन महावीर मेहता और मुख्य सचिव महावीर जैन ने किया। सदस्य व सदस्य परिवारों ने बाली के अनेक पर्यटन स्थलों का दौरा किया। कार्यक्रम में जीतो साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी, जीतो एपेक्स के पूर्व उपाध्यक्ष प्रकाशचंद सिंघवी, मुख्य सचिव नितिन लूनिया और शिल्पा राजावत आदि ने व्यवस्था संभाली ।

कन्नड़ राज्योत्सव — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के कर्नाटक एग्रीकल्चर वॉटर पम्प एंड स्पेयर्स ट्रेडर्स एसोसिएशन (काक्स्टा) के सदस्यों ने शनिवार को एसपी रोड कार्यालय पर कन्नड़ राज्योत्सव के मौके पर ध्वजारोहण किया। संघ के अध्यक्ष सुनील सुराणा ने सबका स्वागत किया और कर्नाटक दिवस की शुभकामनाएँ दी। इस मौके पर संघ के सचिव संजय भीमानी, उपाध्यक्ष रसिक पटेल, कोषाध्यक्ष मनोज रावल और अन्य पदाधिकारियों सहित संघ के सदस्य उपस्थित थे।

आत्मा के जागरण का पर्व है देवउठनी एकादशी : डॉ वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गुजराती जैन संघ, गांधीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित डॉ. वरुण मुनि जी ने अपने प्रवचन में कहा कि देवउठनी का सच्चा अर्थ है आत्मा का जागरण और धर्ममय जीवन की पुनः शुरुआत। देव उठनी एकादशी को प्रबोधिनी एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने कहा कि आज केवल देव नहीं, बल्कि हमें अपने भीतर सोई हुई चेतना को भी जागृत करना है। जब मनुष्य अपनी आत्मा के प्रति सजग होता है, तभी सच्चे अर्थों में देव उठनी होती है। मुनिश्री ने कहा कि यह पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान का प्रतीक नहीं, बल्कि आत्मिक जागरण का उत्सव है। उन्होंने कहा, जीवन में कर्म और भक्ति, दोनों के बीच संतुलन आवश्यक है। केवल पूजा से नहीं, बल्कि शुद्ध आचरण और सच्चे संकल्पों से ही ईश्वर का साक्षात्कार संभव है।

उन्होंने बताया कि भगवान विष्णु का यह जागरण हमें सद्कर्म, सद्भावना और सच्चे जीवन मूल्यों के प्रति प्रेरित करता है। यह पर्व हमें यह स्मरण कराता है कि जैसे दैवी शक्तियां चार माह के शयन के बाद पुनः लोककल्याण के लिए जागती हैं, वैसे ही हमें भी अपने अंदर की नकारात्मकता, आलस्य और अज्ञान से जाग्रत होकर धर्म और कर्तव्य के मार्ग पर अग्रसर होना चाहिए। वरुण मुनि जी ने यह भी कहा कि देव उठनी एकादशी का संदेश है उठो, जागो और अपने भीतर के देवत्व को पहचानो। जब मनुष्य अपने कर्मों को शुद्ध कर देता है, तब उसका हर कार्य पूजा बन जाता है। कार्यक्रम का शुभारंभ युवा मनीषी श्री रूपेश मुनि जी के मधुर भजनों से हुआ।

दाधीच महिला मंडल ने आयोजित किया अन्नकूट महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के दाधीच महिला मंडल के तत्वावधान में देवउठनी एकादशी के अवसर पर शनिवार को अन्नकूट महोत्सव एवं छप्पन भोग अर्पण कार्यक्रम का आयोजन विजयनगर स्थित बिंदु अनमोल अर्पाटमेन्ट में किया गया। कार्यक्रम में भगवान श्रीकृष्ण की मनमोहक छवि में भावना, स्नेहा तथा छोटी सी राधिका के रूप में तृषा ने झांकी प्रस्तुत की। इस अवसर पर थाली सजावट प्रतियोगिता की गई।

निर्णायक मंजू सूंठवाल और उषा काकड़ा ने मूल्यांकन कर प्रथम स्थान अंबिका खटोड़, द्वितीय स्थान ऊषा व्यास तथा तीसरा स्थान प्रियका भेड़ा को दिया। गीता काकड़ा ने गोवर्धन पर्वत बन कर झांकी प्रस्तुत की। इस आयोजन में सरोजा व्यास, सरोज ओझा, बुल्लू दाधीच, पुष्पा तिवारी सहित अनेक सदस्याएं उपस्थित थीं।

जय कर्नाटक — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चिकबलापुर के जैन मिशन हास्पिटल में शनिवार को हर्षोल्लास से कन्नड़ राज्योत्सव मनाया गया। कर्नाटक रक्षण वेदिके के जिलाध्यक्ष श्रीधर बाबू ने ध्वजारोहण किया। इस मौक़े पर अस्पताल के मंत्री उत्तमचन्द कोठारी, व्यवस्थापक राकेश कोठारी, डॉ शेखर, राजेश आदि अनेक सदस्य उपस्थित थे।

भगवान के गुण स्मरण से जीवन के सभी संकट नष्ट हो जाते हैं : साध्वी आगमश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विल्सन गार्डन स्थानक में विराजित साध्वी आगमश्री जी ने भक्तामर स्तोत्र की 16वीं गाथा का वर्णन करते हुए कहा कि पूर्ण चन्द्र की कलाओं के समान जिनेश्वर भगवान के उज्ज्वल गुण तीनों लोको में व्याप्त हैं। जिस प्रकार सूर्य के प्रकाश से अंधकार मिट जाता है, उसी प्रकार जिनेश्वर भगवान के गुणों के स्मरण से जीवन के सभी संकट और अज्ञान का अंधकार नष्ट हो जाता है। उन्होंने कहा कि यह शरीर पुद्गलों से बना हुआ है। यह परिवर्तनशील है, नाशवान है, एक दिन मिट जाने वाला है किंतु आत्मा शुद्ध, चेतन और शाश्वत तत्व है। आत्मा कभी नहीं मरती, वह केवल शरीर का परित्याग करती है। जन्म और मृत्यु आत्मा के नहीं, शरीर के गुण हैं। साध्वी धैर्याश्री ने कहा कि हमें शांत, समभाव, करुणा, मैत्री, प्रमोद और मध्यस्थ भावों से जीवन जीना चाहिए। ये भाव केवल उपदेश नहीं, बल्कि आत्मा की वास्तविक सजावट है। जो व्यक्ति इन भावों को अपने जीवन में उतारता है, वही सच्चे अर्थों में धर्म की आराधना करता है। ज्ञान, ध्यान और धर्म की साधना तभी सफल होती है, जब हमारा मन निर्मल और भाव निष्कपट हो। बाहरी पूजा तभी फलदायी होती है, जब भीतर आत्मा की आराधना प्रकट हो। प्रचार प्रसार मंत्री प्रकाशचंद बाफना ने आगामी कार्यक्रम की जानकारी दी।

कर्नाटक पेपर मर्चेंट्स एंड स्टेशनर्स एसोसिएशन ने मनाया कन्नड़ राज्योत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के कर्नाटक पेपर मर्चेंट्स एंड स्टेशनर्स एसोसिएशन(केपीएमएस) द्वारा कन्नड़ राज्योत्सव मनाया। एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं एफपीटीए के उपाध्यक्ष श्री प्रवीण लुंकड़ की अध्यक्षता में यह आयोजन हुआ। संयुक्त सचिव हुलाश कुमार ने कन्नड़ नाड गीत गाया। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष विनोद नेनावत उपस्थित थे। मुख्य वक्ता ने अपने भाषण में कर्नाटक के इतिहास, संस्कृति, साहित्य के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने कर्नाटक की गौरवशाली परंपरा, महापुरुषों के योगदान और भाषा की गरिमा पर प्रकाश डालते हुए सभी को कन्नड़ संस्कृति के संरक्षण हेतु प्रेरित किया। प्रायोजक हाईटेक मार्केटिंग के प्रतिनिधि व प्रवीण लुंकड़ का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान टैक्सेशन चेयरमैन महावीर चोरड़िया ने उपस्थित सभी व्यवसायियों को जीएसटी व अन्य करों के बारे में जानकारी दी। सभी सदस्यों ने कन्नड़ भाषा और संस्कृति को सहेजने का संकल्प लिया।

ध्वजारोहण — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के जोगपाल्यम अलसूर मित्र मंडल ने शनिवार को दसवीं स्ट्रीट चौराहे पर कर्नाटक राज्योत्सव के अंतर्गत ध्वजारोहण किया। अलसूर जैन संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने ध्वजारोहण कर वृक्षारोपण भी किया। इस अवसर पर प्रवासी समाज के महावीर छाजेड़, दीपक सेठिया, प्रकाशचंद नाहटा सहित अनेक स्थानीय निवासी भी उपस्थित थे ।

तेरापंथ भवन में मनाया गया कन्नड़ राज्योत्सव व अणुव्रत दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर की अणुव्रत समिति द्वारा गांधीनगर में तेरापंथ भवन में पहली बार कन्नड़ राज्योत्सव ध्वजारोहण एवं अन्नदानम का समारोह आयोजन किया गया। मुनि डॉ पुलकित कुमारजी के सान्निध्य में ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम में कैलाश बोराणा, मदन बोराणा, दिनेश पोखरणा, पवन मांडोत, राजेश चावत, सुरेश दक, ललित बाबेल, सुरेश चावत, लाभेश काँसवा, हिम्मत मांडोत, अमित दक, मनोहर मांडोत आदि उपस्थित थे। इस मौके पर स्थानकवासी संघ के पंकजमुनिजी, वरुणमुनिजी एवं मूर्तिपूजक संघ के ध्यान योगविजय जी आदि की उपस्थिति में आचार्यश्री तुलसी का जन्म दिवस अणुव्रत दिवस के रूप में मनाया गया। सभी संतों ने आचार्य तुलसी के गुणों को याद किया। इस मौके पर जनता स्कूल एवं ज्ञानशाला के बच्चों ने अपनी प्रस्तुति दी। संचालन मुनिश्री आदित्य कुमार जी ने किया। प्रायोजक मदनलाल कैलाशचंद बोराना परिवार का सम्मान किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कर्नाटक, मध्य प्रदेश, केरल, हरियाणा और छत्तीसगढ़ को स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कर्नाटक, मध्य प्रदेश, केरल, हरियाणा और छत्तीसगढ़ के लोगों को उनके राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री शनिवार को छत्तीसगढ़ की स्थापना के 25वें वर्ष के उपलक्ष्य में राज्य में मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा, प्रकृति और संस्कृति को समर्पित यह प्रदेश आज प्रगति के नित-नए मानदंड गढ़ने में जुटा है। कभी नक्सलवाद से प्रभावित रहे यहां के कई इलाके आज विकास की प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

मोदी ने कहा, मुझे भरोसा है कि यहां के मेहनती और हुनरमंद लोगों की लगन और उद्यम से हमारा यह राज्य विकसित भारत के विजन को साकार करने में अहम भूमिका निभाएगा। प्रधानमंत्री ने कर्नाटक के लोगों को कन्नड़ राज्योत्सव के अवसर पर बधाई देते हुए कहा, आज हम कन्नड़ राज्योत्सव मना रहे हैं, यह उत्कृष्टता और मेहनती स्वभाव की उस भावना का उत्सव है, जिसके लिए कर्नाटक के लोग जाने जाते हैं। उन्होंने कहा, हम कर्नाटक की समृद्ध संस्कृति का भी उत्सव मना रहे हैं, जो इसके साहित्य, कला, संगीत और परंपरा में झलकती है। मैं कामना करता हूं कि राज्य के लोग सदा प्रसन्न और स्वस्थ रहें। केरल के लोगों को अपने प्रधानमंत्री ने कहा, यह एक ऐसा राज्य है, जिसके लोग विश्वभर में विभिन्न क्षेत्रों में कामयाबियां हासिल कर रहे हैं। उनकी रचनात्मकता और नवाचार ने उन्हें विशिष्ट बनाया है। राज्य के प्राकृतिक सौंदर्य और प्राचीन विरासत में भारत की जीवंत सांस्कृतिक भव्यता झलकती है। मैं केरल पिरवी के अवसर पर राज्य के लोगों के अच्छे स्वास्थ्य और सफलता की कामना करता हूं।

मध्य प्रदेश को शुभकामनाएं देते हुए मोदी ने कहा, गौरवशाली इतिहास और सांस्कृतिक धरोहर को संजोने वाले मध्य प्रदेश के अपने सभी परिवारजनों को राज्य के स्थापना दिवस की ढेरों शुभकामनाएं। देश के हृदय में बसा हमारा यह प्रदेश जन-जन की आकांक्षाओं को आगे रखकर आज हर क्षेत्र में प्रगति की नई रफ्तार भर रहा है। मुझे विश्वास है कि विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में यहां के प्रतिभाशाली और परिश्रमी लोगों की अमूल्य भूमिका होने वाली है। हरियाणा दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा, हरियाणा दिवस पर राज्य के सभी निवासियों को बहुत-बहुत बधाई। यह ऐतिहासिक धरती हमारे किसान भाई-बहनों के अथक परिश्रम, जवानों के अतुलनीय पराक्रम और युवाओं के अद्भुत प्रदर्शन से देशभर के लिए एक मिसाल रही है। प्रगति के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहे इस प्रदेश के विशेष अवसर पर मैं हर किसी की खुशहाली और उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं।

कन्नड़ राज्योत्सव — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के कंगारू केयर महिला एवं शिशु अस्पताल विजयनगर में कर्नाटक का स्थापना दिवस मनाया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत एवं विशिष्ट अतिथि टोयोटा के मुख्य प्रबंधक अभिजीत गुहा ने मां भुवनेश्वरी के चित्र पर पुष्प अर्पित करके ध्वजारोहण किया। अस्पताल के चिकित्सा, स्वास्थ्य कर्मी एवं सेवाकर्मी उपस्थित थे। मुणोत ने कहा कि हमें कर्नाटक की संस्कृति एवं भाषा का सम्मान करना चाहिए और उसके संवर्धन का प्रयास करना चाहिए। आयोजकों ने अतिथियों को सम्मानित किया।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com